Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 227
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार,17 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

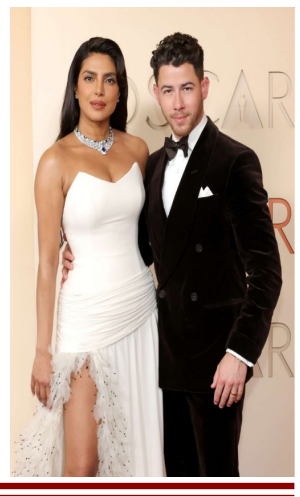

2 जमीन पर कब्जा, चार पर एफआईआर दर्ज

4 मोदी को आ रही हैं आत्मा की आवाजें, लोगों की

7 बाल-बाल बचे निक-प्रियंका, ऑस्कर में

छोटी-छोटी बातों के कारण बढ़ी आत्महत्याओं की प्रवृत्ति

बच्चों को रोने और नाराज होने दें,कतई न स्मार्टफोन:सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मातृशक्ति का आह्वान किया कि छोटी आयु के बच्चों को रोने-नाराज होने दें, कुछ देर में वे ठीक हो जाएंगे लेकिन स्मार्टफोन कतई न दें। स्मार्ट फोन का अधिकाधिक प्रयोग समय की हानि के साथ आंखों को नुकसान पहुंचा रहा है। यह सोचने की सामर्थ्य को कम और बुद्धि को कुंठित कर रहा है। लोग डिप्रेशन के शिकार हो रहे हैं। स्मार्टफोन के तमाम गेम नकारात्मक दिशा की ओर ले जा रहे हैं। बच्चा जितना समय स्मार्टफोन पर खर्च कर रहा है, उतना समय यदि अच्छी पुस्तकों, योग, व्यायाम पर लगाएगा तो जीवन सुंदर-व्यवस्थित होगा। स्मार्टफोन का लगातार प्रयोग नशे जैसा ही खतरनाक है।राजस्थान दौरे के दूसरे दिन सोमवार को गोरक्षपीठाधीश्वर व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जालोर के श्री रत्नेश्वर महादेव मंदिर सिरे मंदिर के 375 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय महायज्ञ एवं विशाल धर्मसभा में शामिल हुए। धर्मसभा को संबोधित करते हुए सीएम ने युवा पीढ़ी को सीख दी कि जितना आवश्यक है, उतना ही स्मार्टफोन प्रयोग कीजिए। परिवार के लिए समय निकालिए, बातचीत कीजिए। भोजन, पूजा के समय फोन न उठाइए, बाद में कॉलबैक कीजिए। स्मार्टफोन एक समय बाद डिप्रेशन की बीमारी पैदा करने वाला है। छोटी-छोटी बातों के कारण आत्महत्याओं की प्रवृत्ति बढ़ी है। देश के दुश्मन और नशे के सौदागर युवा पीढ़ी को नशे के आगोश में ले जाना चाहते हैं। नशे के कारोबारियों को सफल नहीं होने देना है।दुनिया में 200 से अधिक देश हैं, लेकिन भारत जैसा कोई नहीं। सीएम ने सिरे मंदिर के आसपास बंदरों के चौराहे का जिक्र करते हुए कहा कि कल जब हम लोग यहां रुके तो ढेर बंदर आ गए। हमने एक बंदर को रोटी दी तो वह खाने लगा, लेकिन जब तक उसने पहली रोटी खा नहीं ली, तब तक दूसरी रोटी नहीं ली। मनुष्यों को यह शालीनता सीखनी चाहिए। मनुष्य हड़पने व संचय की बजाय जरूरतमंद तक पहुंचाने का भाव रखे। लोभ संवरण साधना है और इसे जीवन का हिस्सा बनाना परम साधना है। ऋषि-मुनि जहां साधना करते थे, उस पूरे क्षेत्र का प्रभाव इतना आध्यात्मिक होता था कि शेर और गाय एक ही घाट पर पानी पीते थे। सीएम ने शिव परिवार का जिक्र किया। मां पार्वती दुर्गा की प्रतीक हैं, उनकी सवारी शेर और भोलेनाथ की सवारी बैल है। गणपति की सवारी चूहा, भोलेनाथ के गले में नाग और कार्तिकेय की सवारी मोर है, फिर भी सब साथ मिलकर जीवन चक्र को संचालित कर रहे हैं। जहां विरोध को भी अपने में समाहित करने का सामर्थ्य हो और समतामूलक समाज को एकता के सूत्र में आगे बढ़ाने की ताकत हो, वही भारत है। भारत ने दुनिया को जीने की कला सिखाई। मत्स्यनाथ पीठ, फतेहपुर में बाबा अमृतनाथ पीठ आदि का जिक्र किया और कहा कि मंच पर बैठे सभी योगेश्वर गुरु परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। इन पीठों के द्वारा समाज व समिष्टि के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, लोक कल्याण के लिए अनेक कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। धर्म जोड़ने का माध्यम है, लेकिन जातिवाद व्यवस्था को कमजोर करता है। गोरक्षपीठाधीश्वर ने कहा कि नाथ संप्रदाय की परंपरा हर काल खंड में धराधाम पर विराजमान है। संत, योगी, योगेश्वर सदैव अजर-अमर हैं।

कुंभ 2027 को दिव्य-भव्य बनाने की तैयारी तेज

हरिद्वार पहुंचकर मुख्यमंत्री धामी ने लिया निर्माण कार्यों का जायजा

हरिद्वार (एजेंसी): उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज हरिद्वार पहुंचे, जहां उन्होंने वर्ष 2027 में होने वाले कुंभ मेले की तैयारियों का जायजा लिया, इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक कर कुंभ से जुड़े अधूरे निर्माण कार्यों को जल्द पूरा करने के लिए विशेष दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ मेले को दिव्य और भव्य बनाने के लिए सरकार पूरी गंभीरता से तैयारी कर रही है। साथ ही कुंभ की व्यवस्थाओं को लेकर साधु-संतों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ भी विचार-विमर्श किया गया है, ताकि देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं और सुरक्षित माहौल मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ मेले को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर देहरादून और हरिद्वार में अधिकारियों के साथ बैठकें की जा रही हैं और वे स्वयं भी लगातार हरिद्वार पहुंचकर तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल्द शुरू होने वाली चार धाम यात्रा को लेकर भी व्यापक तैयारियां की जा रही हैं, ताकि यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें बेहतर सुविधाएं मिल सकें। वहीं देश के अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता विकास कार्यों को देखते हुए डबल इंजन सरकारों को प्राथमिकता दे रही है और आगे भी भारतीय जनता पार्टी को समर्थन मिलेगा।

चेन्नई पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पुझल डकैती कांड का फरार आरोपी मुठभेड़ में ढेर

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई के माधवराम राउंडटाना के पास सोमवार सुबह पुलिस ने एक मुठभेड़ में शातिर बदमाश थोप्पई गणेश एनकाउंटर किया। यह बदमाश पुझल इलाके में हुई एक बड़ी डकैती के मामले में मुख्य आरोपी था। मामले जब पुलिस ने जब उसे गिरफ्तार करने की कोशिश की, तो उसने पुलिस टीम पर हमला कर दिया और वहां से भागने लगा। बचाव में पुलिस ने गोली चलाई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, 30 जनवरी 2026 की सुबह करीब 5:40 बजे पुझल के महावीर गार्डन स्थित विजयकुमार के घर में डकैती हुई थी। छह नकाबपोश बदमाश रसोई के पिछले दरवाजे से घर के अंदर घुसे थे। बदमाशों ने घरवालों को चाकू दिखाकर डराया और वहां से 25 लाख रुपये नकद, सोने के 15 आभूषण और हीरे की बालियां लूट लीं। लूट के बाद सभी बदमाश कार से फरार हो गए थे। इस घटना में वसंत नाम की महिला को मामूली चोट भी आई थी। इसके बाद मामले में पुझल पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों को पकड़ने के लिए एक विशेष टीम बनाई। सीसीटीवी फुटेज और उंगलियों के निशान की मदद से पुलिस ने थोप्पई गणेश की पहचान की। इस मामले में पुलिस ने दो वकीलों समेत कई लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

पश्चिम बंगाल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, मुख्य सचिव और गृह सचिव हटे; पुलिस विभाग में भी कई बदलाव

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों के एलान के कुछ ही घंटों बाद प्रशासन और पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल हुआ है। चुनाव आयोग ने रविवार रात राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा को उनके पद से हटा दिया। अब दुष्यंत नारियावाला राज्य के नए मुख्य सचिव होंगे और संघमित्रा घोष को नया गृह सचिव बनाया गया है। पुलिस विभाग में भी कई बड़े बदलाव इसके साथ ही पुलिस विभाग में भी कई बड़े बदलाव किए गए हैं। 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी अजय कुमार नंद को कोलकाता का नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। वहीं 1992 बैच के सिद्ध नाथ गुप्ता को महानिदेशक और सूचना एवं सरकारी प्रमुख (प्रभारी) की जिम्मेदारी मिली है। प्रशासन ने 1991 बैच के नटराजन रमेश बाबू को सुधार सेवा विभाग का महानिदेशक बनाया है। वहीं, कोलकाता के पुलिस कमिश्नर भी हटाए जा सकते हैं। चुनाव की घोषणा होते ही राज्य

1995 बैच के अजय मुकुंद रानाडे को अतिरिक्त महानिदेशक और सूचना एवं सरकारी प्रमुख (कानून और व्यवस्था) के पद पर तैनात किया गया है। इन सभी अधिकारियों की तैनाती के आदेश जारी कर दिए गए हैं। हटाए जा सकते हैं डीपीपी और सीपी भी इस बीच, सूत्रों से यह भी जानकारी मिल रही है कि पुलिस महानिदेशक और में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है। इस दौरान चुनाव आयोग को प्रशासनिक स्तर पर कई विशेष अधिकार मिल जाते हैं। आयोग जरूरत पड़ने पर राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और प्रशासनिक पदों पर तैनात अफसरों के तबादले या बदलाव का आदेश दे सकता है।

सीएम फडणवीस ने नए बिल का किया बचाव

महिलाओं के शोषण को रोकने का भी किया दावा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार का नया धोखाधड़ी से धर्म परिवर्तन रोकने वाला बिल खास तौर पर महिलाओं के शोषण को रोकने के लिए लाया गया है। उन्होंने बताया कि कई मामलों में महिलाओं को झूठे प्यार के जाल में फंसाकर शादी की जाती है और बाद में उन्हें छोड़ दिया जाता है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए यह कानून जरूरी है। 'वोट बैंक के लिए मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा विपक्ष' मुख्यमंत्री फडणवीस ने मंत्रालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विपक्ष इस मुद्दे को वोट बैंक की राजनीति के लिए बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। उनका कहना है कि अगर विपक्षी दल इस बिल को ठीक से पढ़ेंगे तो उन्हें इसमें किसी समुदाय के खिलाफ कुछ भी नजर नहीं आएगा, क्योंकि इसका उद्देश्य सिर्फ जबरदस्ती, लालच

या धोखे से किए जाने वाले धर्म परिवर्तन को रोकना है। क्या है महाराष्ट्र धर्म की स्वतंत्रता विधेयक 2026? सरकार ने शुक्रवार को विधानसभा में महाराष्ट्र धर्म की स्वतंत्रता विधेयक 2026 पेश किया है। इस बिल में ऐसे धर्म परिवर्तन पर कड़ी सजा का प्रावधान रखा गया है जो जबरदस्ती, धोखे, लालच या शादी के बहाने कराए जाते हैं। इस प्रस्तावित कानून के अनुसार अगर कोई व्यक्ति शादी का बहाना बनाकर धर्म परिवर्तन करवाता है तो उसे 7 साल तक की जेल और 1 लाख रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है। वहीं अगर यह अपराध महिला, नाबालिग, मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति या अनुसूचित जाति-जनजाति के व्यक्ति के साथ किया जाता है तो सजा और भी सख्त होगी। ऐसे मामलों में सात साल तक की जेल और पांच लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। 'महिलाओं को सुरक्षा देने के लिए बनाया गया है बिल' सीएम फडणवीस ने कहा कि कई मामलों में महिलाएं किसी के साथ भागकर शादी कर लेती हैं, लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया जाता है। ऐसे हालात में उनकी जिंदगी मुश्किल हो जाती है, खासकर जब उनके बच्चे भी होते हैं। उन्होंने कहा कि यह बिल ऐसे मामलों का समाधान ढूंढने और महिलाओं को सुरक्षा देने के लिए बनाया गया है। इस बिल में एक और अहम प्रावधान यह है कि अगर कोई व्यक्ति अपना धर्म बदलना चाहता है तो उसे कम से कम 60 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट या अधिकृत अधिकारी को सूचना देनी होगी। इसके बाद अधिकारी इस जानकारी को सार्वजनिक करेगा और लोगों को 30 दिन के भीतर आपत्ति दर्ज कराने का मौका दिया जाएगा। धर्म परिवर्तन होने के बाद उस व्यक्ति और समारोह आयोजित करने वाले व्यक्ति या संस्था को 21 दिन के अंदर प्रशासन को लिखित घोषणा देनी होगी।

संसद भवन के गेट पर अचानक बजने लगा सायरन, कुछ देर के लिए रोकी गई गाड़ियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे सुरक्षित इमारतों में से एक संसद परिसर में आज अचानक सुरक्षा सायरन बजने से हड़कंप मच गया। सुरक्षा से जुड़े सूत्रों ने इस घटना की जानकारी दी है। यह घटना उस समय हुई जब संसद के एंट्री गेट पर लगा एक बूम बैरियर अचानक नीचे गिर गया। बैरियर के गिरते ही वहां लगा ऑटोमैटिक सुरक्षा सायरन जोर-जोर से बजने लगा। सायरन की आवाज सुनते ही वहां तैनात सुरक्षाकर्मी तुरंत अलर्ट हो गए। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अधिकारियों ने फौरन संसद परिसर में गाड़ियों के आने-जाने पर रोक लगा दी। अचानक एंट्री रुकने से गेट के बाहर गाड़ियों की कतार लग गई और कुछ देर के लिए वहां अफरा-तफरी जैसा माहौल बन गया। सुरक्षा टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच की। सायरन बजने के बाद इसलिए भी हलचल तेज हो गई क्योंकि मौके पर संसद में बजट सत्र चल रहा है।

एअर इंडिया ने अपनी दुबई की सभी उड़ानें अस्थायी तौर पर रद्द की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में तनाव जारी है। इसी बीच एयर इंडिया ने सोमवार को अपने सभी दुबई उड़ानों को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस की अबू धाबी, रस अल खैमाह और शारजाह के लिए निर्धारित उड़ानें पहले की तरह जारी रहेंगी। एयर इंडिया ने एक्स पर लिखा, दुबई में उड़ान संचालन निलंबित। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने हवाई अड्डे से आने-जाने वाली सभी उड़ान सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। इस वजह से एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की दुबई आने-जाने वाली उड़ानें आज के लिए रद्द कर दी गई हैं... सोमवार को एक फ्लाइट वापस लौटी बता दे कि तिरुवनंतपुरम से दुबई जाने वाली अमीरात की एक फ्लाइट सोमवार को गंतव्य हवाई अड्डे पर सुरक्षा संबंधी घटना की सूचना मिलने के बाद वापस लौट आई।

रसोई गैस आपूर्ति पर राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष में भिड़ंत

नड्डा बोले- विपत्ति के समय भी लोगों को भड़का रही कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने पश्चिम एशिया संकट के कारण देश में रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने का मुद्दा सोमवार को सदन में उठाया जिस पर नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा ने यह कहते हुए विरोध किया कि कांग्रेस विपत्ति के समय भी राजनीति कर लोगों को भड़का रही है। खड़गे ने शून्य काल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि देश में रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण हाहाकार मचा है और इससे विशेष रूप से गरीब, मध्यम वर्ग तथा छोटे रेस्तरां प्रभावित हुए हैं। उन्होंने

कहा कि भारत अपनी जरूरत की 60 प्रतिशत रसोई गैस आयात करता है और इसमें से भी 90 प्रतिशत होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आती है। खड़गे ने कहा कि आपूर्ति प्रभावित होने से सामुदायिक किचन बंद करने पड़ रहे हैं और सिलेंडर की कीमत भी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि सरकार यह दावा कर रही है कि देश में गैस सिलेंडर की कमी नहीं है और लोग अफवाहों पर ध्यान ना दें तो फिर यह लाइन क्यों लग रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी एशिया संकट के मध्य नजर जब सरकार वहां रह रहे भारतीयों के लिए परामर्श जारी कर रही थी तो आपूर्ति के लिए भी वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई और आपूर्ति क्यों नहीं बढ़ाई गई। सदन के नेता नड्डा ने कहा कि यह शून्य काल है और इसमें हर सदस्य को तीन मिनट का समय अपनी बात कहने के लिए दिया जाता है लेकिन खरगे नेता विपक्ष होने के बावजूद नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। सभापति द्वारा खरगे को अतिरिक्त समय दिए जाने के बावजूद उनके बोलते रहने पर नड्डा ने कहा कि यह वैश्विक विपत्ति का समय है और इसमें भारत की कोई भूमिका नहीं है।

हाईकोर्ट ने केजरीवाल-सिसोदिया और बाकी को जवाब दाखिल करने का दिया समय, 6 अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और इस मामले के अन्य आरोपियों को अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई 6 अप्रैल को निर्धारित की गई है। नोटिस के बाद भी केजरीवाल या अन्य किसी आरोपी के द्वारा जवाब दाखिल नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान सीबीआई की तरफ से

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह हर बार आरोप लगाकर भाग जाते हैं, न्यायिक प्रक्रियाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। केजरीवाल की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने कहा कि वह कुछ समय चाहते हैं क्योंकि इस मामले में बेंच बदलने के लिए सुप्रीम कोर्ट से मांग की गई है। जिसपर अदालत ने केजरीवाल की मांग पर जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दिया। बता दें कि कथित दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राउज एवेन्यू कोर्ट के उस फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

डिजिटल अरेस्ट मामलों पर स्वतः संज्ञान, सुप्रीम कोर्ट अगले हफ्ते करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बढ़ते डिजिटल अरेस्ट के मामले पर सुप्रीम

कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट एक हफ्ते बाद सुनवाई करेगा। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा कि इस मामले में हमने एक स्टेटस रिपोर्ट फाइल की है, जिसे कोर्ट पढ़ ले, इसके बाद मामले पर आगे की सुनवाई करें। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने देश भर में डिजिटल अरेस्ट के मामलों में जांच का ज़िम्मा सीबीआई को सौंपा था। साथ ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी कोर्ट को बताया था कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों से निपटने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। गृह मंत्रालय के विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा) इस समिति के अध्यक्ष हैं। इसके पहले 9 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट मामले में सुनवाई के दौरान कहा था कि ऐसे घोटालों में बैंक अधिकारी भी आरोपियों के साथ मिले हुए पाए गए हैं। खासकर वरिष्ठ नागरिक इसकी चपेट में आ रहे हैं। एक रिटायर्ड दंपति का उदाहरण देते हुए कोर्ट ने बताया कि उनकी पूरी जिंदगी की जमा-पूंजी ठगों ने छीन ली। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने केंद्र सरकार की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश कर बताया था कि डिजिटल अरेस्ट से निपटने के लिए अब काफी व्यापक एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) तैयार की गई है।

मुख्य सचिव को हटाने पर TMC सासंदों ने किया राज्यसभा से वॉकआउट

यह ठीक नहीं :किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसदों ने सोमवार को सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया। ये सांसद चुनाव आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल में वरिष्ठ अधिकारियों को हटाने का विरोध कर रहे थे। तृणमूल सांसदों ने चुनाव आयोग के इस फैसले के खिलाफ अपना विरोध जताते हुए पूरे दिन के लिए सदन से वॉक आउट करने का फैसला किया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी गई है। रविवार को चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की आधिकारिक घोषणा की थी।

सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही प्रारंभ होने के थोड़ी देर बाद ही तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रॉयन ने यह विषय सदन में उठाया। उन्होंने सभापति सीपी राधाकृष्णन से कहा कि हम शून्यकाल में कोई व्यवधान नहीं डालना चाहते। इसलिए हमें 30 सेकंड का समय दीजिए, क्योंकि हमारा उद्देश्य सदन की कार्यवाही को बाधित करना नहीं है। उन्होंने सदन में कहा कि बीती रात के अंधेरे में पश्चिम बंगाल राज्य के मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और गृह सचिव को निर्वाचन आयोग द्वारा हटा दिया गया है। डेरेक ओ ब्रॉयन ने कहा कि चुनाव आयोग के पास ऐसा करने की पूरी शक्ति है। डेरेक ओ ब्रॉयन ने सभापति से कहा, ह्रममहोदय, उनके (चुनाव आयोग) के पास यह अधिकार है कि वे ऐसा करें। वे यह भी कह सकते हैं कि मैं सफेद शर्ट की जगह नीली शर्ट पहनूं।ह्व तृणमूल सांसद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मुख्य निर्वाचन आयुक्त जो कर रहे हैं उसके विरोध में राज्यसभा में उनकी पार्टी ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस सोमवार के लिए सदन से वॉकआउट कर रही है। डेरेक ओ'ब्रायन के इस वक्तव्य व तृणमूल सांसदों के वॉकआउट के उपरांत संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू इसका जवाब देने के लिए खड़े हुए।

गुरसहायगंज स्थित नवीनीकृत यात्री हाल

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मण्डल पर स्थित गुरसहायगंज रेलवे स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत रू0 10.50 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित किया जा रहा है। गुरसहायगंज रेलवे स्टेशन उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले का एक महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है। यह स्टेशन कानपुर, लखनऊ, कासगंज, फरूर्खाबाद, बरेली आदि स्टेशनों से जुड़ा है। इस कारण यह स्टेशन आसपास के व्यापारिक और कृषि क्षेत्र के लिये उपयोगी है। गुरसहायगंज से लगभग 30 किमी. दूरी पर स्थित कन्नौज को प्रसिद्ध इत्रनगरी कहा जाता है। यह क्षेत्र मुख्य रूप से गेहूँ, आलू, धान आदि की खेती के लिये जाना जाता है। इस स्टेशन से कृषि उत्पादों का परिवहन भी होता है।

आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत गुरसहायगंज स्टेशन पुनर्विकसित किया गया है। गुरसहायगंज स्टेशन बिल्डिंग को नया देने के साथ 386 स्क्वायर मीटर का नया स्टेशन भवन बनाया गया है, जिसमें जन-औषधि केन्द्र, मॉडर्न ट्वायलेट, टी-स्टाल व कार्यालय बने हैं। प्लेटफार्म संख्या 1 व 2 पर सरफेसिंग, ग्रेनाइट लगाने का कार्य, आरक्षण कार्यालय, नये यात्री हाल व फसाड, सकुर्लेटिंग एरिया व डेज्नेज में वी.डी.सी. सरफेसिंग, मॉडर्न ट्वायलेट, पोर्च, दिव्यांगजन हेतु शौचालय, वाटरबूथ, हेल्प बूथ, कम ऊंचाई वाले टिकट खिड़की, 900 मीटर रैंप का कार्य पूरा किया गया। यहाँ पर 640 वर्गमीटर में पी.पी. शेल्टर लगाया गया है, नया पैदल उपरिगामी पुल बनाया गया है तथा वी.आई.पी. रूम का उन्नयन किया गया है। स्टेशन पर अन्तर्राष्ट्रीय मानक के अनुरूप साइनेजेज लगाये जायेंगे, स्टेशन भवन को आकर्षक फसाड लाईट से सुसज्जित किया जायेगा, जिससे यहाँ आने वाले यात्रियों को उन्नत व आकर्षक सुविधाओं का विशेष एहसास होगा और यात्रियों को उन्नत यात्रा सुविधा का लाभ मिलेगा।

रेल प्रशासन का रेलयात्रियों से अनुरोध है कि वे उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन रेल यात्रियों को सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है। महाप्रबन्धक,पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर के निर्देशन एवं प्रमुख वाणिज्य प्रबन्धक श्री प्रकाश चन्द्र जायसवाल के आदेशानुसार 01 से 15 मार्च,2026 तक गोरखपुर से गोण्डा, गोरखपुर से सीवान, गोरखपुर से भटनी, गोरखपुर से बेलथरा रोड एवं गोरखपुर से मऊ रेल खण्डों में वरिष्ठ वाणिज्य प्रबन्धक/टिकट जांच, वरिष्ठ वाणिज्य प्रबन्धक/सामान्य, सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/एफ.एम., सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/पी.एम., सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/मुख्यालय एवं सचिव/प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक के नेतृत्व में विशेष टिकट जांच अभियान आयोजित किया गया। इस जांच अभियान में अनधिकृत यात्रियों एवं बिना टिकट यात्रियों के विरूद्ध रेल अधिनियम के अनुसार कार्यवाही की गई। इस जांच अभियान के दौरान गाड़ियों में चल रही पेण्ट्रीकार तथा ऑन बोर्ड कर्मचारियों के परिचय पत्र आदि की भी जांच की गई, जिसके परिणामस्वरूप कुल 701 बिना टिकट, अनियमित टिकट एवं बिना बुक सामानों के मामले पकड़े गये, जिनसे रेल राजस्व के रूप में रू0 4,36,275/- वसूल कर रेल खाते में जमा कराया गया। इस तरह के जांच अभियान आगे भी आयोजित होते रहेंगे। रेल प्रशासन का रेलयात्रियों से अनुरोध है कि वे उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें।

वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 29 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 100 बर्थ उपलब्ध हैं

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के उपरान्त यात्रियों की सुगम यात्रा हेतु विभिन्न नगरों के लिये अनेक होली विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह मार्च, 2026 के लिये 16 मार्च, 2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05045 लालकुआँ-राजकोट विशेष गाड़ी में 29 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 206 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट विशेष गाड़ी में 19 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 95, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 266 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 62 बर्थ उपलब्ध हैं।

-बढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर विशेष गाड़ी में 25 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 162 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोमतीनगर से चलने वाली 05023 गोमतीनगर-खातीपुरा विशेष गाड़ी में 17 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 19, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 24 तथा शयनयान श्रेणी में 165 बर्थ उपलब्ध हैं।

-लालकुआँ से चलने वाली 05060 लालकुआँ-कोलकाता विशेष गाड़ी में 19 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 43 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 173 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी विशेष गाड़ी में 20 मार्च, 2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 16 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 04730 गोरखपुर-श्री गंगानगर विशेष गाड़ी में 20 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 20, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 54 तथा शयनयान में 72 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 09196 मऊ-वडोदरा विशेष गाड़ी में 22 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 08, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 39 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 157 बर्थ, 29 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 05, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 29 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 100 बर्थ उपलब्ध हैं।

आम के पेड़ से लटका मिला बोरिंग मिस्त्री का शव

कानपुर। बोरिंग मिस्त्री का शव आम के पेड़ से लटकता मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। महाराजपुर थाना क्षेत्र के हाथीगांव रेलवे क्रॉसिंग के पास सोमवार सुबह करीब 9 बजे आम के बगीचे में एक अधेड़ का शव पेड़ से लटकता मिला। मृतक की पहचान राजकुमार उर्फ माना कुशवाहा (50) निवासी हाथीगांव के रूप में हुई। शव नायलॉन की रस्सी के सहारे पेड़ से लटकता देख ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक के परिवार में पत्नी ईशा और दो बेटे बीरेंद्र और नरेंद्र हैं। जानकारी के मुताबिक मृतक 14 मार्च को सुबह घर से काम पर जाने की बात कहकर बाइक से निकला था। घर पर पत्नी से बच्चों की देखभाल करने व वापस न लौटने की बात कही थी। जिसको परिजनों ने गंभीरता से नहीं लिया। दो दिनों तक घर वापस न लौटने पर घर वालों ने खोजबीन की तो बाइक अस्थाना फार्म हाउस में आम के बगीचे के बाहर खड़ी मिली और जब अंदर जाकर खोजबीन की गई तो एक आम के पेड़ पर रस्सी के सहारे शव लटका हुआ मिला। पास में ही शराब की बोतल तथा एक नमकीन की पैकट पड़ी मिली। प्रकरण में महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि मामला पारिवारिक कलह का सामने आ रहा है अन्य पहलुओं पर जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

दो मंजिला मकान में आठ घंटे से धधक रही आग, मां- बेटे की मौत

बलिया। बलिया जिले में दो मंजिला मकान में अचानक आग लग गई। आग की लपटों को देख लोग सहम उठे। इस दौरान मां-बेटे की

झुलसने से मौत हो गई। जबकि आग से बचने के लिए छत से कूदा पति घायल हो गया। ग्राउंड फ्लोर पर दुकान व प्रथम तल पर परिवार रहता था। बलिया जिले के गड़वार थाना के चिलकहर चट्टी के डुमरी मार्ग स्थित दो मंजिला मकान में आग लगने से मां रिंकी चौरसिया (25) व पांच वर्षीय पुत्र धीरज कुमार की झुलसने मौत हो गई। पति नीरज ने छत से कूद कर जान बचाई, लेकिन वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। आग की लपटों को देखकर लोग पास जाने से भी डरते रहे। आग भोर में लगी, लेकिन अभी तक आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका है। क्या है पूरा मामला चिलकहर चट्टी के डुमरी मार्ग पर नीरज चौरसिया की किराना की होलसेल की दुकान है। वह प्रथम तल पर पत्नी रिंकी व बेटा धीरज के साथ रहते थे। रविवार की रात 2 बजे के बाद अज्ञात कारणों से दुकान में आग लग गई। आग फैलते देख नीरज ने प्रथम तल पर पहुंचकर पत्नी व बेटे को जगाकर बचाने का प्रयास किया, लेकिन मकान की सीढ़ी का दरवाजा बाहर से बंद होने के कारण सभी लोग फंस गए। नीरज ने छत से कूदकर बचाई जान नीरज ने छत से कूदकर जान बचाई, इसमें उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। नीरज की चीख- पुकार सुनकर और धुआं-धुआं निकलता देख आसपास के लोग बचाने पहुंचे तब तक रिंकी चौरसिया व बेटा धीरज गंभीर रूप से झुलस गए। इलाज के लिए लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने पत्नी रिंकी व बेटे धीरज को मृत घोषित कर दिया। नीरज को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। उधर, नीरज के पिता झूलन चौरसिया जो घर में थे, लेकिन उनका पता नहीं चल रहा है। दो दिन पहले था बच्चे का मुंडन संस्कार स्थानीय लोगों ने बताया कि धीरज का दो दिन पूर्व मुंडन संस्कार था। इस मार्मिक घटना के बाद हर कोई मर्माहत है। आग लगने की सूचना पर तड़के पहुंचे फायर ब्रिगेड के जवान आग बुझाने में लगे हुए हैं। खबर लिखे जाने तक पूरी तरीके से आग पर काबू नहीं पाया जा सका था। दुकान के जले हुए सामानों में धुआं निकल रहा था। वहीं पुलिस किसी को मौके पर जाने नहीं दे रही है। दीवार तोड़कर आग पर काबू पाने की तैयारी चिलकहर पुलिस अधीक्षक के अनुसार हो सकता है कि उसके ससुर ताला बंद करके कहीं चले गए हों। अभी इसकी जांच की जा रही है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। आग को पूरी तरीके से बुझाने के लिए मकान के पिछले हिस्से की दीवार को तोड़कर अंदर घुसने की तैयारी की जा रही है।

लॉ के छात्र की पट्टीदारों ने पीट- पीटकर की हत्या, आशनाई में वारदात की चर्चा

जौनपुर। जौनपुर जिले में लॉ के छात्र की पीटकर हत्या कर दी गई। घटना की शिकायत के बाद पुलिस सक्रिय हुई और आरोपी विष्णु मिश्रा समेत दो को गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस आशनाई से भी जोड़कर इस मामले की जांच कर रही है। जौनपुर जिले के चंदवक थाना अंतर्गत गोबरा गांव में रविवार देर रात पुरानी रंजिश में एक लॉ (विधि) छात्र की पीटकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि पट्टीदारों ने उसे धोखे से बुलाकर उस पर वजनी वस्तु से हमला कर दिया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय सच्चिदानंद मिश्र के रूप में हुई है। देर रात एक बजे पुलिस ने आरोपी विष्णु मिश्रा समेत दो को

गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की पत्नी से सच्चिदानंद बात करता था। आशनाई से भी जोड़कर मामले की जांच में जुटी हुई है। परिजनों का दावा है कि गत 12 मार्च को दोपहर करीब 2:07 बजे जब सच्चिदानंद रतनूपुर बाजार जा रहे थे, तब आरोपी ने उन्हें फोन कर गालियां और जान से मारने की धमकी दी थी। इस धमकी की कॉल रिकॉर्डिंग भी सच्चिदानंद के पास मौजूद थी। रविवार की रात आरोपी पक्ष ने सच्चिदानंद की पिटाई कर दी। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। एसपी बोले शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के बाद गांव में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। देर रात एक बजे आरोपी विष्णु मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया। प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार को कुचला, जेसीबी की मदद से तीन घंटे बाद निकाला गया शव

गाजीपुर। गाजीपुर जिले में तेज रफ्तार के कहर ने एक व्यक्ति की जान ले ली। ट्रेलर ने बाइक सवार कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रेलर के नीचे फंसे शव को तीन घंटे बाद निकाला जा सका। गाजीपुर जिले के दिलदारनगर थाना क्षेत्र के वायरलेस मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार को कुचल दिया। हादसे के बाद शव व बाइक ट्रेलर में फंस गया और चालक वाहन लेकर आगे बढ़ गया, जिससे बाइक सवार की दर्दनाक मौत हुई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद जेसीबी की मदद से बाइक और शव को बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि हादसा इतना भीषण था कि बाइक ट्रेलर के नीचे बुरी तरह फंस गई थी। थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दूसरे दिन युवक की तलाश में नहर में उतरी एसडीआरएफ टीम अभी तक नहीं मिला कोई सुराग

औरैया। बेला थाना क्षेत्र के गांव डमरपुर स्थित रामगंगा नहर की झील के पास रविवार दोपहर करीब दो बजे जनपद कानपुर देहात के थाना व कस्बा रसूलाबाद बंगाली कॉलोनी महेंद्र नगर निवासी तीन दोस्त विदान बंगाली (40), विवेक (32) व शेखर (20) आये और यहां बैठकर शराब पार्टी की उसके बाद तीनों नहर में नहाने के लिए कूद गये। कुछ देर बाद विवेक व शेखर तो नहर से बाहर आगये लेकिन विदान नहर से नहीं निकला। जिसके बाद पीछे से गांव के ही पांच अन्य युवक पहुंच गये उसमे से निखिल मंडल ने करीब तीन बजे डायल 112 पुलिस को विदान के नहर में डूबने की सूचना दी। मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने थाना व चौकी पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद देर शाम तक बेला थाना पुलिस व गौतखोरों ने नहर में तलाश की थी। दूसरे दिन सोमवार सुबह से ही जालौन उरई की एसडीआरएफ टीम में उपनिरीक्षक कुमार सौरभ सिंह अपने 11 साथियों के साथ मौके पर पहुंची और पुलिस के साथ नहर में स्टीमर चलाकर तलाश शुरू की। 11 बजे तक भी युवक का कोई सुराग नहीं मिला।

संक्षिप्त खबरें

जमीन पर कब्जा, चार पर एफआईआर दर्ज

बस्ती। रुधौली पुलिस ने जमीन पर कब्जा करने के आरोप में रविवार को चार आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज की है। थाना क्षेत्र के विजलपुर निवासी मुरारी के पत्नी गेना ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि 14 मार्च की रात करीब 12 बजे आरोपी उसकी जमीन ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ा करने के स्थान पर लगा ईंट उखाड़ कर फेंकने लगे। मना करने पर गाली देते हुए जानमाल की धमकी दी। विवेचक अनिल कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर गांव के ही सुनील, अर्जुन, रामवली, रामवती ओर पूनम पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

10,242 सिलिंडरों की हुई आपूर्ति, आज बंद रहेंगी सभी गैस एजेंसियां

बस्ती। जिले की सभी रसोई गैस एजेंसियां सोमवार को साप्ताहिक अवकाश होने के कारण बंद रहेंगी। डीएसओ विमल कुमार शुक्ल ने बताया कि बंदी के दिन उपभोक्ता एजेंसियों पर न पहुंचे। इसके बाद 17 मार्च से बुकिंग और वितरण प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया रविवार को जिले की सभी एजेंसियों पर 10,242 सिलिंडरों की आपूर्ति हुई है। जिसका उपभोक्ताओं में वितरण कराया गया है। बताया कि 15 मार्च को भारत पेट्रोलियम कापोर्रेशन एवं हिंदुस्तान पेट्रोलियम कापोर्रेशन का बॉटलिंग प्लांट बंद होने के कारण इस कंपनी से संबंधित एजेंसी रिफिल सिलिंडरों की आवक नहीं होगी। जिससे वितरण बाधित रहेगा। जबकि इंडियन ऑयल कापोर्रेशन द्वारा जिले में 2736 सिलिंडर की आवक संभावित है। कहा कि कोई भी उपभोक्ता एजेंसियों पर सिलिंडर लेकर किसी भी दशा में न आए। भरे हुए सिलिंडर ले जाते समय कोई हादसे की आशंका रहती है। यदि उपभोक्ता के साथ कोई हादसा होता हैं तो वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। उन्होंने उपभोक्ताओं से आग्रह किया हैं कि गैस की बुकिंग कराए। हॉकर के माध्यम से होम डिलीवरी की सुविधा अनिवार्य रूप से दी जाएगी। परेशान होने की जरूरत नहीं है। यदि समस्या हो रही हैं तो कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 05542-247128 पर इसकी सूचना दें। जिसका निदान तत्काल किया जाएगा।

चुनावी रंजिश में मारपीट, पांच पर एफआईआर

बस्ती। मुंडेरवा पुलिस ने चुनावी रंजिश में कुरियार गांव के मथुरा की लाठी-डंडे से पिटाई के आरोप में पांच लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। थाना क्षेत्र के ग्राम कुरियार निवासी कुसुम ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि 12 मार्च की रात करीब 10:30 बजे पति मथुरा अपनी मां को दवा देने गांव वाले दूसरे मकान पर जा रहे थे। इस दौरान गांव के लिए रमेशचंद्र, मल्लू, निखिल, दिलीप और दीपक ने चुनावी रंजिश को लेकर पति की लाठी-डंडे और सरिया से पिटाई कर दी। इससे पति के सिर और दाहिने हाथ में चोट आई है। बीच-बचाव करने आए रामजनम को भी चोटें आई हैं।

भूमि विवाद में मारपीट, चार पर एफआईआर

बस्ती। कप्तानगंज पुलिस ने भूमि विवाद में मारपीट करने के आरोप में चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। पैकोलिया थानाक्षेत्र के कुर्दा निवासी अब्दुल कवि का आरोप है कि कप्तानगंज थानाक्षेत्र के सुअरबरवा में भूमि विवाद को लेकर विपक्षियों ने शनिवार को उन्हें अपशब्द कहा। मना करने पर मारापीटा और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने कप्तानगंज के कलिगढा निवासी आरोपी अरविन्द, संजीत, संतराम और पंकज पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है।

छह लोगों पर नामजद प्राथमिकी

बस्ती। सोनहा थानाक्षेत्र के बसडीला में छप्पर गिराने व मारपीट के आरोप में पुलिस ने छह लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। गांव की विजयलक्ष्मी का आरोप है कि वह अपनी जमीन पर छप्पर रख रही थीं, तभी विपक्षियों ने उन्हें व उनके परिजनों को अपशब्द कहते हुए मारापीटा। छप्पर को गिरा दिया और लकड़ी उठा ले गए। मना करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी अशोक पांडेय, प्रमोद, दामपन्ती, अंजू, सुनीता, शिवांगी और कुछ अन्य अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

मारपीट के आरोपी पर एफआईआर

बस्ती। हरैर्या पुलिस ने मारपीट के आरोप में एक आरोपी पर प्राथमिकी दर्ज की है। थाना क्षेत्र के बलईवीर निवासी शिवपूजन चौधरी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि विपक्षी ने केसीसी पर लोन ले रखा है और जमा नहीं कर रहे हैं। लोन में गारंटर होने के कारण जब रुपये जमा करने के लिए कहा तो विपक्षी अपशब्द कहने लगे। उनकी पत्नी को मारापीटा और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इसी थाने के बिहरा रेहरवा निवासी मनीष कुमार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है।

किशोरी को भगाने का वांछित गिरफ्तार

बस्ती। पैकोलिया पुलिस ने किशोरी को भगा लेने जाने के वांछित आरोपी को रविवार को गिरफ्तार कर लिया 19 वर्षीय आरोपी विकास थाना क्षेत्र के टिकुईया का रहने वाला है। थानेदार कृष्ण कुमार साहू ने बताया कि आरोपी पर किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में पॉक्सो एक्ट की प्राथमिकी दर्ज है। आरोपी को उसके गांव से गिरफ्तार किया गया। वह कहीं भागने के फिराक में था।

चार दिन बाद भी अखिलेश का नहीं चला पता, अब दूसरी जगह तलाश

संवाद न्यूज एजेंसी कप्तानगंज (बस्ती)। लखनऊ के इंदिरा नहर में छलांग लगाने वाले कप्तानगंज थाना क्षेत्र के सरैया मिश्र गांव निवासी अखिलेश मिश्रा का चार दिन बाद भी सुराग नहीं लग पाया। इससे परिवार वालों की बेचैनी बढ़ती जा रही है। परिवार वाले और रिश्तेदार लखनऊ में डेरा डाले हैं। गोताखोरों ने इंदिरा नहर को मथ डाला है। इसके बावजूद रविवार की शाम तक कामयाबी नहीं मिल पाई। अब अखिलेश के परिवार वाले अन्य जगहों पर भी तलाश कर रहे हैं। पश्चिम एशिया युद्ध से बढ़ी भारत की परेशानीप्रीमियम पश्चिम एशियाई संघर्ष और प्रवासी भारतीयः लड़ाई लंबी चली तो भारतीय अर्थव्यवस्था पर असर संभव परिवार वालों ने बताया कि 50 किमी तक गोताखोर इंदिरा नहर में अखिलेश की तलाश कर चुके हैं। हंसी-खुशी से रहने वाले परिवार पर अचानक विपत्ति पड़ने से सभी दुखी हैं।अखिलेश की सलामती के लिए पूजा-पाठ पर भी जोर दिया जा रहा है। अखिलेश के बड़े भाई राजेश मिश्रा (प्रवक्ता) पर परिवार को चलाने की जिम्मेदारी है। पिता की मौत के बाद भी वे परिवार को एक डोर में बांधे हुए हैं। सभी भाई बीमार अखिलेश की बेहतर देखभाल करते हैं। उनके इलाज में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी थी। तीनो भाइयों की देखभाल से अखिलेश मिश्रा भी संतुष्ट थे, मगर बीमारी की पीड़ा बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे।

ट्रेन में चढ़ते समय फिसला महिला का पैर, शरीर दो हिस्सों में बंटा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर स्टेशन पर सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 45 वर्षीय महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि महिला का शरीर दो हिस्सों में बंट गया। जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान कुसुम चौहान (45) पत्नी सुरेश कुमार के रूप में हुई है। परिवार के अनुसार कुसुम अपने बीमार रिश्तेदार को देखने के लिए बलरामपुर से लखनऊ आई थी। बताया जा रहा है कि कुसुम की बेटी महक की सास लारी हॉस्पिटल में भर्ती थीं। जिन्हें देखने के लिए वो लखनऊ आई थी। परिजनों के मुताबिक सोमवार को उन्हें वापस लौटना था। इसके लिए उन्हें गोमती नगर स्टेशन से उनको ट्रेन पकड़नी थी। कुसुम के भाई प्रमोद कुमार ने बताया कि ट्रेन में चढ़ने के दौरान अचानक कुसुम का पैर फिसल गया और वो सीधे ट्रेन की चपेट में आ गईं। इस दर्दनाक हादसे में उनकी मौत हो गई। कुसुम के पति सुरेश कुमार बलरामपुर में एक शुगर मिल में काम करते हैं। कुसुम के में दो बेटे अमन और आशीष और एक बेटी महक है। मौके पर पहंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चंदन-पुष्प की होली में बुंदेली फाग पर थिरका जिझौतिया ब्राह्मण समाज

■ ग्वालियर

जिझौतिया ब्राह्मण समाज, ग्वालियर द्वारा होली मिलन समारोह उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में समाजजनों ने गुलाल की जगह सुगंधित चंदन और फूलों से होली खेलकर आपसी प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। समारोह का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण और जनेऊ अर्पण कर किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार नितिन त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। समाज के अध्यक्ष केपी अरजरिया और महामंत्री पंकज सोनकिया ने उनका अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया। वहीं वरिष्ठ संरक्षक एस.पी. वाजपेयी और पीताम्बर स्वरूप रावत का स्वागत कोषाध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने किया। कार्यक्रम में अभिषेक मिश्रा और उनकी मंडली ने बुंदेली फाग गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल को उत्सवमय बना दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संयोजन डॉ. आलोक पुरोहित ने किया। इस दौरान रमा चौबे, ऋषि मकरारिया, राघव शर्मा, मंगल चौबे, इन्द्र भूषण चतुर्वेदी और दीपक चौबे ने भी अपनी प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के दौरान मुख्य संरक्षक केडी सोनकिया, जी.पी. अरजरिया, आर.डी. मिश्रा और श्री कृष्ण चतुर्वेदी ने पुष्प वर्षा कर माहौल को और आनंदमय बना दिया। कार्यक्रम का संचालन राजीव पस्तोर ने किया।

कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज का होली मिलन समारोह में पढ़ी कविताएं

कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज द्वारा थाटीपुर स्थित जलकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में होली मिलन समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम के पूजन से की गई, जिसके बाद समाजजनों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों शशिकांत दीक्षित एवं राममोहन त्रिपाठी ने कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज द्वारा किए जा रहे सामाजिक सेवा एवं जनहित कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में भिंड से आए प्रदीप दीक्षित, राजेश अवस्थी (लावा), रेखा दीक्षित, योगेंद्र दीक्षित और तन्मय तिवारी ने अपनी होली एवं देशभक्ति से ओतप्रोत कविताओं से उपस्थित जनसमूह में होली के रंगों के साथ देशप्रेम का जोश भर दिया। समारोह के दौरान फाग एवं होली के गीतों पर समाज के लोगों ने जमकर नृत्य कर उत्सव का आनंद लिया। महिलाओं ने पारंपरिक होली गीत प्रस्तुत किए, वहीं बच्चों ने मनमोहक नृत्य एवं भजन प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. केशव पाण्डेय, समाजसेवी जयवीर भारद्वाज, रामबाबू कटारे, महेश मुदगल, सुधा दीक्षित, राम नारायण मिश्रा, संध्या त्रिपाठी एवं अरविंद तिवारी का शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया।

सामूहिक जन्मदिन एवं विवाह वर्षगांठ उत्सव चित्रगुप्त धाम में मनाया गया

■ ग्वालियर

भगवान श्री चित्रगुप्त धाम सर्व देव मंदिर दौलतगंज द्वारा समाज बंधुओं के जन्मदिन एवं विवाह वर्षगांठ मनाया गया। इस माह में जिन लोगों के जन्मदिन और विवाह वर्षगांठ थी, वह शामिल हुए। इस अवसर पर सामूहिक रूप से वैदिक विधि विधान से हवन-पूजन एवं सुन्दरकांड, हनुमान चालीसा, चित्रगुप्त चालीसा का पाठ किया गया। इस अवसर पर भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर के अध्यक्ष एवं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अभय चौधरी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से समाज में जागरूकता आती है और सामाजिक बंधुओं में एकता का भाव जागृत होता है। उन्होंने बताया कि अप्रैल महीने के द्वितीय रविवार को युवक- युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

हकीम देवी प्रसाद रामप्यारी न्यास के सचिव अरुण कुलश्रेष्ठ ने बताया कि मार्च माह के कार्यक्रम की तरह ही हर माह के तृतीय रविवार को उस माह में जिन भी कायस्थ बंधुओं का जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ होगा उन्हें वैदिक विधि विधान से पुष्प वर्षा कर मनाया जाएगा।

सकल ब्राह्मण महासमिति ने पुनर्विवाह संस्कार का किया शुभारंभ, 22 मार्च को सनातन धर्म मंदिर में होगा विवाह

■ ग्वालियर

सकल ब्राह्मण महासमिति, ग्वालियर द्वारा पुनर्विवाह संस्कार की सामाजिक पहल के तहत मांगलिक कार्यक्रमों का शुभारंभ रविवार को महासमिति के प्रधान कार्यालय ऊंट पुल, जिंसी नाले (किताब घर के पास) लश्कर में संस्थापक डॉ. जयवीर भारद्वाज की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भार्गव ब्राह्मण समाज के संभागीय अध्यक्ष परमानंद शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि संगीता शर्मा, गिरिराज गुरुजी, नंदकिशोर शर्मा, अवधेश पटसारिया एवं देवेंद्र कुमार पाठक मंचासीन रहे। इस अवसर पर वर धर्मेंद्र के माता-पिता रामादेवी और रमेश सहित महिला पदाधिकारियों ने वधू इंदु को तिलक लगाकर सुहाग जोड़ा (लहंगा-चुनरी) ओढ़ाया तथा माल्यार्पण किया। इस दौरान मंगल गीत गाए गए और सफारी सूट भी भेंट किया गया।

मुख्य अतिथि परमानंद शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज द्वारा पुनर्विवाह जैसी सकारात्मक पहल से अन्य समाजों को भी प्रेरणा मिलेगी और इससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। समारोह की अध्यक्षता करते हुए डॉ. जयवीर भारद्वाज ने बताया कि 22 मार्च को दोपहर 3 बजे सनातन धर्म मंदिर परिसर में इंदु एवं धर्मेंद्र का पुनर्विवाह सकल ब्राह्मण महासमिति द्वारा संपन्न कराया जाएगा। महासमिति ने बताया कि समारोह में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे। वर-वधू पक्ष के 25-25 लोगों के लिए महासमिति द्वारा भोजन की व्यवस्था भी की जाएगी। कार्यक्रम में प्रकाश नारायण शर्मा, बीना भारद्वाज, डॉ. मुन्नालाल शर्मा, योगेंद्र दीक्षित, राजू पंडित, अशोक शर्मा आदि मौजूद रहे।

पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का समापन, 500 भक्तों ने दीं आहुतियां

ग्वालियर। गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशन में गायत्री चेतना केंद्र पिंटो पार्क की तरफ से सारिका नगर शिवशक्ति धाम मंदिर के पास आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन रविवार को हो गया। सुबह से ही पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ में 500 लोगों ने आहुतियां दीं। कार्यक्रम में उपजोन प्रभारी डीपी लवानिया एवं संतोष तोमर की संगीत टोली द्वारा यज्ञ का संचालन किया गया। सबसे पहले संगीतमय देव आह्वान के साथ गायत्री माता गुरुजी और गुरु माता का पूजन किया गया। संचालन व्यवस्थापक संजय शर्मा ने किया महायज्ञ में सब के स्वास्थ्य की कामना को लेकर महामृत्युंजय मंत्र एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु गायत्री बीज मंत्र से राष्ट्र के विकास की कामना, इजरायल, ईरान, अमेरिका युद्ध में मारे गए नागरिकों की आत्म शांति के लिए गायत्री मंत्र से आहुति दी गई। कार्यक्रम में दीक्षा विद्यारंभ गर्भोत्सव संस्कार कराए गए। कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी लाल बहादुर सिंह डीपी लवानिया एवं कॉलोनी के वरिष्ठ परिजन महिलाएं भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

11.35 करोड़ जमा, 12 करदाताओं ने अकेले भरे 1.23 करोड़

■ ग्वालियर

नेशनल लोक अदालत में नगर निगम ने बड़ी राजस्व वसूली करते हुए एक ही दिन में 11 करोड़ 35 लाख रुपए कर के रूप में जमा कराए। इसमें 9 करोड़ 23 लाख रुपए संपत्तिकर और 2 करोड़ 12 लाख रुपए जलकर के रूप में प्राप्त हुए। खास बात यह रही कि 12 बड़े करदाताओं ने अकेले ही 1 करोड़ 23 लाख 58 हजार 356 रुपए संपत्तिकर जमा किया।

निगमायुक्त संघ प्रिय ने इस वर्ष संपत्तिकर वसूली का 150 करोड़ रुपए का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पूरा करने में नेशनल लोक अदालत से निगम को काफी मदद मिली। नगर निगम के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों और जिला सत्र न्यायालय परिसर में आयोजित लोक अदालत में बकायादारों को नोटिस भेजकर बकाया जमा करने पर मिलने वाली राहत की जानकारी दी गई, जिससे बड़ी संख्या में करदाताओं ने मौके पर ही राशि जमा कर दी।

नेशनल लोक अदालत के दौरान निगम अधिकारियों, राजस्व निरीक्षकों और कर संग्राहकों की सक्रियता से कई बड़े बकायादारों ने भी अपना बकाया जमा किया। इनमें प्रमुख रूप से कर सलाहकार कल्याण समिति, सिटी सेंटर (वार्ड 30) - 32 लाख रुपए, हेल्थी बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड (वार्ड 61) - 23 लाख रुपए, कार्तिवीरा रियलटर्स प्राइवेट लिमिटेड (वार्ड 60) - 15 लाख रुपए, रामपाल सिंह (वार्ड 65) - 9 लाख 29 हजार 477 रुपए, शिवहरे रोड लाइन्स (वार्ड 01) - 9 लाख 12 हजार 435 रुपए, होटल प्रबंधन खान-पान तकनीक (वार्ड 18) - 6 लाख 62 हजार 786 रुपए, पदम कुमार गर्ग, मंगलम मैरिज गार्डन (वार्ड 30) - 6 लाख 43 हजार 679 रुपए, सिंधी पंचायत धर्मशाला (वार्ड 41) - 6 लाख 15 हजार 357 रुपए, विक्रम सिंह एवं राघवेंद्र सिंह (वार्ड 62) - 5 लाख 94 हजार 622 रुपए,जय माता दी बिल्डकॉन (वार्ड 61) - 5 लाख 12 हजार 444 रुपए, परिवार रियल स्टेट एंड डेवलपर्स (वार्ड 45) - 5 लाख रुपए, ब्लू लोट्स रियलटोर प्राइवेट लिमिटेड (वार्ड 61) - 5 लाख रुपए।

नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि शहर में अभी भी कई बड़े बकायादार बाकी हैं, जिनसे निगम को करोड़ों रुपए की वसूली करनी है। आने वाले दिनों में ऐसे करदाताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जा सकती है।

वैश्य फाउंडेशन के डॉ लोहिया अध्यक्ष, नीलेश महामंत्री बने

■ ग्वालियर

वैश्य फाउंडेशन की वार्षिक साधारण सभा एवं निर्वाचन प्रक्रिया आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बृजेश सिंघल ने की। सभा में सर्वसम्मति से वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। निर्वाचन के पश्चात डॉ. प्रकाश लोहिया को अध्यक्ष, नीलेश बिंदल को महामंत्री एवं अनुपम सिंघल को कोषाध्यक्ष चुना गया। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता, विमल माहेश्वरी, श्रीमती ऋचा गुप्ता तथा रामकिशन सिंघल को दायित्व दिया गया। मंत्री पद पर मोनिका अग्रवाल एवं नवल किशोर गोयल, सह-कोषाध्यक्ष वंदना जाजू तथा प्रचार मंत्री सौरव गुप्ता बनाए गए। ग्रीटिंग समिति में अजय अग्रवाल, कविता खंडेलवाल, उषा सोमानी एवं प्रियंका गर्ग को जिम्मेदारी सौंपी गई। विभिन्न वैश्य घटकों के प्रमुखों की भी घोषणा की गई तथा संगठन के संचालन हेतु 22 सदस्यीय संचालक मंडल का गठन किया गया। प्रदेश इकाई में अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ,महामंत्री मुकेश गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष आलोक पहाड़िया बनाये गए । इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, सलाहकार समिति प्रमुख नितिन मांगलिक, शिवशंकर अग्रवाल तथा जे.एस. गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

गणेशबाग मंदिर की एक वर्ष की प्रगति प्रसन्नतादायक है : कुशवाह

■ ग्वालियर

बहोड़ापुर स्थित रामाजी का पुरा में प्राचीन गणेशबाग मंदिर में आयोजित शिला पूजन यज्ञ के अवसर पर अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपेंद्र सिंह कुशवाह ने कहा कि गणेशबाग मंदिर की एक वर्ष की प्रगति प्रसन्नतादायक है। उन्होंने बताया कि वे एक वर्ष पूर्व भी यहां आए थे और आज पुनः आने पर मंदिर पुनर्निर्माण कार्य में हुई प्रगति देखकर संतोष हुआ है। उन्होंने मंदिर पुनर्निर्माण के लिए मध्यभारत शिक्षा समिति एवं गणेशबाग मंदिर न्यास के पदाधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज के सहयोग से यह प्रकल्प शीघ्र पूर्ण होकर समाज जागरण का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

गणेशबाग मंदिर न्यास के अध्यक्ष एडवोकेट मानसिंह जादौन ने बताया कि ग्वालियर का यह प्राचीनतम गणेश मंदिर लगभग 250 वर्ष पूर्व स्थापित हुआ था और यहां स्थित गणेश प्रतिमा अत्यंत मनमोहक है। मंदिर परिसर में नवग्रह मंदिर तथा हनुमान मंदिर भी स्थित हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प सज्जन शक्ति के सहयोग से पूर्ण होगा और यह भावी पीढ़ी को संस्कारित करने का कार्य करेगा।

मध्यभारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रो. राजेन्द्र बांदिल ने कहा कि भगवान गणेश विघ्न विनाशक हैं और जो श्रद्धालु एक वर्ष तक उनकी नियमित आराधना करता है, उसकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है। उन्होंने बताया कि गणेशबाग मंदिर को दिव्य एवं भव्य धार्मिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए लगभग 10 करोड़ रुपए की लागत का अनुमान है, जिसे समाज के सक्रिय सहयोग से पूर्ण करने की योजना है।

शिला पूजन यज्ञ में युवाशक्ति की उल्लेखनीय भागीदारी रही। युवाओं को प्रेरित करने वाले अरुण सिंह चौहान ने कहा कि आज की युवाशक्ति को शिक्षा के साथ संस्कारों की भी आवश्यकता है और ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम युवाओं को सही दिशा देने में सहायक सिद्ध होते हैं।

उल्लेखनीय है कि मंदिर में प्रति रविवार प्रातः 9 से 10 बजे तथा 10 से 11 बजे तक शिला पूजन किया जाता है। इसमें शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं से सपरिवार भारतीय वेशभूषा में समय से 10 मिनट पूर्व पहुंचने का आग्रह किया जाता है। भक्तजन क्यूआर कोड स्कैन कर या वेबसाइट के माध्यम से भी शिला पूजन यज्ञ के लिए आरक्षण करा सकते हैं। कार्यक्रम में गणेशबाग मंदिर न्यास के सचिव एडवोकेट जागेश्वर सिंह भदौरिया, सदस्य पप्पू वर्मा, एडवोकेट राजीव उपाध्याय, राजेन्द्र धाकड़ सहित अनेक अधिवक्ता, सुरेश मित्तल सहित कई व्यवसायी, माधव शिक्षा महाविद्यालय से डॉ. विकास गोरे, पीजीवी उमावि की उप प्राचार्य अश्विनी गोरे, पार्वती विद्या पीठ के प्राचार्य डॉ. नरेश त्यागी, लक्ष्मीबाई कन्या उमावि व अरुण हायर सेकेंडरी स्कूल की शिक्षिकाएं, विवेक पेठकर, राघवेंद्र चौहान सहित अनेक भक्तगण एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

सूने घर के ताले चटकाए, गहने चोरी

ग्वालियर। महाराजपुरा थाना क्षेत्र में चोरों ने एक बार फिर अपनी आमद देते हुए सूने घर के ताले तोड़ दिए और दीवान पलंग में रखे गहने चोरी करके फरार हो गए। चोरी का पता चलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना करने के बाद चोरों की पहचान के प्रयास शुरु कर दिए हैं। शताब्दीपुरम फेस-2 में रहने वाले हरेन्द्र पुत्र रामसेवक मुद्गल 11 मार्च को काम से बाहर गए थे। जाते समय वह घर के मुख्य दरवाजे पर ताला लगाकर चले गए थे। घर में कोई और नहीं था इसकी भनक चोरों को लग गई और उन्होंने देर रात को धाबा बोल दिया। चोरों ने घर में घुसकर तलाशी लेना शुरू कर दी। जब चोरों को कमरों की तलाशी लेने के बाद कुछ हाथ नहीं लगा तो दीवान पलंग की खाना तलाशी लेना शुरु कर दी। चोरों के हाथ दीवान पलंग में रखे सोने चांदी के गहने नकदी सहित तीन लाख रुपए से ज्यादा का माल चोरी किया और जिस रास्ते से आए थे उसी से फरार हो गए। चोरी का पता मकान मालिक के घर लौटने पर चला। चोरी का पता चलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चोरों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी खंगालना शुरू कर दिए हैं।

कांग्रेस का प्रदर्शन कल, पार्षदों ने की बैठक

■ ग्वालियर

केंद्र सरकार द्वारा घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमतों में की गई बढ़ोतरी, गैस सिलेंडर की किल्लत, कालाबाजारी और लगातार बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस द्वारा 17 मार्च को प्रदर्शन किया जाएगा। इसके लिए रविवार को कांग्रेस कार्यालय पर पार्षदों की बैठक आयोजित की गई। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने बताया कि 17 मार्च को नदी गेट चौराहा से पाटनकर बाजार तक जंगी प्रदर्शन में कांग्रेस पार्षदों और कांग्रेसजनों की अहम भूमिका रहेगी। बैठक में सभी पार्षदों को अपने-अपने वार्डों से अधिक से अधिक संख्या में लोग लाने को कहा गया। बैठक में हेवरन कंसाना, पार्षद अवधेश कौरव, प्रमोद खरे, अंकित कठ्ठल, मुकेश धाकड़, मोनिका मनीश शर्मा, विनोद यादव माठू, आसिफ अली, गायत्री सुधीर मंडेलिया, रामू अनीता कुशवाह, मनोज राजपूत, चांदनी जंग बहादुर, धर्मेन्द्र कुमार जैन, शकील मंसूरी, किरन धर्मेन्द्र वर्मा, दीपक यादव आदि उपस्थित रहे।

टफेस्ट ऑब्सटेकल्स रेस में फिनिशर बने डॉ.भूपेंद्र शर्मा

ग्वालियर। मारुति सुजुकी एरिना द्वारा रविवार को गाजियाबाद के वेब सिटी में आयोजित की गई कठिनतम और सबसे लंबी ऑब्सटेकल्स रेस में इंटरनेशनल माउंटेनियर डॉ. भूपेन्द्र शर्मा फिनिशर बने। इस प्रतियोगिता में देश और विदेश के लगभग 4000 पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ग्वालियर फोर्ट यूनिट के उपाध्यक्ष डॉ.भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता की शुरुआत सुबह 7 बजे हुई। खिलाड़ी संगीत की धुनों पर बहुत ही जोश के साथ बाधाओं को पार करते जा रहे थे। उन्होंने बताया कि इस कठिनतम ऑब्सटेकल्स रेस में 5 किमी में 15 सुपर चैलेंजिंग ऑब्सटेकल्स बनाये गये थे। 'द समिट' यह एक चुनौतीपूर्ण ऊंची दीवार है जिस पर चढ़ने के लिए ताकत और रणनीति की आवश्यकता होती है। यह रेस सहनशक्ति, ताकत और मानसिक दृढ़ता का परीक्षण करती है। इस सुपर चैलेंज में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुये फिनिशर बनने पर गुरुजनों और शुभचिंतको ने बधाई दी है।

जयंती पर स्व. सिंधिया को किया नमन

ग्वालियर। कै. माधवराव सिंधिया की जयंती पर रविवार को पुष्पांजलि अर्पित की गई। तिथि अनुसार जयंती पर अम्मा महाराज की छत्री पर पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, राम नारायण मिश्रा, आनंद सावंत,उमा शंकर सोनी, हर्षजीत शिंदे,विशाल जैन आदि ने पुष्पांजलि अर्पित की।

जीआरपी ने 1.42 लाख रुपए के मोबाइल बरामद किए

ट्रेन में लूट-चोरी करने वाले बदमाश 16 घंटे में गिरफ्तार

■ ग्वालियर

ट्रेनों में यात्रियों से लूट और चोरी की वारदात करने वाले बदमाशों को जीआरपी ग्वालियर (बीजी) ने महज 16 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 1 लाख 42 हजार 999 रुपए कीमत के छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनमें लूट का एक मोबाइल और चोरी के पांच अन्य मोबाइल शामिल हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी के साथ दो नाबालिग साथियों को भी पकड़ा है। रेल पुलिस भोपाल के उप पुलिस महानिरीक्षक व पुलिस अधीक्षक राहुल कुमार लोढ़ा के निर्देश पर ट्रेनों में बढ़ रही लूट-चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतू सिंह डावर और उप पुलिस अधीक्षक रामस्नेही चौहान के मार्गदर्शन में जीआरपी ग्वालियर द्वारा लगातार सघन चेकिंग और संदिग्धों की तलाश की जा रही थी।

13 मार्च को फरियादी की शिकायत पर थाना जीआरपी बीजी में अपराध 228/26 धारा 309(6) बीएनएस तथा 11, 13 एमपीडीपीके एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। शिकायत में ट्रेन में मोबाइल लूट की घटना बताई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी ने तुरंत एक विशेष टीम गठित की और आरोपियों की तलाश शुरू की। टीम ने मुखबिर तंत्र सक्रिय किया और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) का सहयोग भी लिया। लगातार तलाश और तकनीकी जानकारी के आधार पर पुलिस ने महज 16 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी अनिकेत परिहार (20) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी झंडाधारी हनुमान गली, गांधी नगर लोको के पास का रहने वाला है। पूछताछ में उसके साथ शामिल दो अन्य नाबालिग बालकों को भी हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आरोपी से लूट और चोरी के कुल छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनमें एक मोबाइल फोन लूट का है, जबकि पांच अन्य मोबाइल चोरी के पाए गए। पांच मोबाइलों की कुल कीमत 1 लाख 2 हजार 999 रुपए बताई गई है। जीआरपी ने आरोपियों से कुल 1 लाख 42 हजार 999 रुपए का मशरूका बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। पूरे ऑपरेशन में थाना प्रभारी निरीक्षक दीपशिखा सिंह तोमर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। टीम में सहायक उप निरीक्षक हरीश सोलंकी, प्रधान आरक्षक मनोज सिंह, लवकुश सिंह शामिल रहे।

एमिटी भाग इंडिया मैराथन में गूंजा बालिका शिक्षा का संदेश, 1800 प्रतिभागियों ने लगाई दौड़

■ ग्वालियर

शहर में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एमिटी भाग इंडिया - बालिका शिक्षा के लिए रविवार को दौड़ का आयोजन किया गया। यह मैराथन लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान से प्रारंभ होकर एमिटी इंटरनेशनल स्कूल में संपन्न हुई। कार्यक्रम में करीब 1800 प्रतिभागियों ने भाग लेकर बेटियों की शिक्षा के समर्थन का संदेश दिया। शुभारंभ मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने किया। एमिटी ग्रुप ऑफ स्कूल्स एवं आरबीईएफ की चेयरपर्सन डॉ. अमिता चौहान ने वर्चुअल संदेश के माध्यम से कहा कि भाग इंडिया केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि बेटियों को शिक्षा का अधिकार दिलाने का सामूहिक संकल्प है। एमिटी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. असीम चौहान ने भी इसे समाज के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया। इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय ग्वालियर के प्रो-चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वीके शर्मा, वाइस-चांसलर प्रो. डॉ. आरएस तोमर तथा एमिटी इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. दीपिका भंबानी ने भी कार्यक्रम की सराहना की। वैलिडिक्टरी समारोह में ब्रिगेडियर धर्मवीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में उपायुक्त शिशिर श्रीवास्तव, वॉटर वुमन सावित्री श्रीवास्तव तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की ब्रांड एंबेसडर वर्षा चौहान शामिल रहीं।

मंत्र भारत

ग्वालियर -मंगलवार,17 मार्च 2026

विचार

सम्पादकीय

भारतीय रोक रहे हैं विदेश में पढ़ाई की योजनाएं

कंसल्टैंट्स का कहना है कि अमरीका में सख्त वीजा नीतियां, खासकर डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में और ब्रिटेन, कनाडा तथा ऑस्ट्रेलिया में इमिग्रेशन के कड़े नियम और पढ़ाई के बाद काम करने के कम होते मौकों के साथ-साथ पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष, कई भारतीय छात्रों को अपनी विदेश में पढ़ाई की योजनाओं को रोकने या उनमें बदलाव करने पर मजबूर कर रहे हैं। हाल के महीनों में, कई छात्रों ने विदेशी यूनिवर्सिटीज में दाखिले के अपने प्लान को अगले सैशन तक के लिए टाल दिया है, जबकि वैश्विक अशांति और अनिश्चितता के बीच कुछ छात्र अपने घर के करीब या ज्यादा स्थिर जगहों पर पढ़ाई के विकल्प तलाश रहे हैं। कॉलेजीफाई के सह-संस्थापक और निदेशक आदर्श खंडेलवाल ने कहा, विदेश में पढ़ाई के रुझानों में एक साफ गिरावट देखी जा रही है। सरकारी आंकड़े दिखाते हैं कि विदेश में पढ़ाई के लिए जाने वाले भारतीयों की संख्या 2023 में 9,08,000 से घटकर 2025 में 6,26,000 रह गई है, जो कि एक बहुत बड़ी गिरावट है। उन्होंने आगे कहा कि भारत को अब सिर्फ एक ह्यबैकअप (दूसरा विकल्प) के तौर पर नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसे तेजी से एक गंभीर ह्यपहली पसंद वाले माहौल के तौर पर परखा जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, माता-पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने से पहले ज्यादा सोच-समझकर फैसले ले रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि छात्रों के बीच सबसे बड़ी चिंता ह्यनीतियों में अनिश्चितता है, न कि युद्ध। आई.डी.पी. एजुकेशन के क्षेत्रीय निदेशक (दक्षिण एशिया, कनाडा और लाटाम) पीयूष कुमार ने कहा, विदेशों में पढ़ाई के मुख्य ठिकानों से मिले हालिया सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल के मुकाबले छात्रों की विदेश यात्रा की रफ्तार धीमी हो गई है। उदाहरण के लिए, अमरीकी विदेश विभाग के आंकड़े दिखाते हैं कि जून और जुलाई 2025 के बीच विदेशी छात्रों को जारी किए गए वीजा की संख्या में 62 प्रतिशत की गिरावट आई है। कुमार के अनुसार, इस गिरावट के पीछे कई वजहें हैं, जिनमें सख्त वीजा नीतियां, नए ग्रैजुएट्स के लिए मुश्किल जॉब मार्केट और करंसी में उतार-चढ़ाव शामिल हैं। पोस्ट ग्रैजुएट (स्नातकोत्तर) स्तर पर इसका असर ज्यादा पड़ा है। कुमार ने आगे कहा, कई इच्छुक छात्र ऐसे कामकाजी पेशेवर हैं, जो अपनी पढ़ाई की योजनाओं को 1 या 2 साल के लिए टालना पसंद कर रहे हैं। वे मौजूदा उथल-पुथल के शांत होने का इंतजार कर रहे हैं। विकल्पों को फिर से तय करना रू कंसल्टैंट्स के अनुसार, इस क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति के कारण यू.ए.ई. जाने वाले आवेदनों में भी अस्थायी गिरावट आई है। लैवरेज एजुकेशन के संस्थापक और सी.ई.ओ. अक्षय चतुवेर्दी ने कहा, बड़े स्तर पर, 2026 में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा की मांग किसी संरचनात्मक गिरावट की बजाय, गंतव्य विकल्पों में फिर से बदलाव और विविधता लाने के दौर को दशार्ती है। कॉलेजीफाई के खंडेलवाल ने कहा, जब कोई संघर्ष होता है, अस्थिरता को लेकर मीडिया में लगातार खबरें आती हैं, तो इससे घरों का भावनात्मक माहौल बदल जाता है। यूनिवर्सिटी लिविंग के संस्थापक और सी.ई.ओ. सौरभ अरोड़ा ने कहा कि कुछ छात्र मजबूत घरेलू संस्थानों या भारत के भीतर ही उपलब्ध अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों को चुन रहे हैं, जबकि अन्य अभी भी विदेश में पूरी डिग्री हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। अरोड़ा ने कहा, जमीनी स्तर पर हम जो देख रहे हैं, वह यह नहीं है कि छात्र अपनी योजनाओं से पीछे हट रहे हैं, बल्कि वे अपने फैसले को अंतिम रूप देने में थोड़ा ज्यादा समय ले रहे हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि छात्र और अभिभावक गंतव्यों, खर्चों और करियर के नतीजों का मूल्यांकन करने में ज्यादा समय लगा रहे हैं। वीजा नियमों में बदलाव, शिक्षा की बढ़ती लागत और पढ़ाई के बाद काम के बदलते अवसरों ने पिछले एक-दो सालों में परिवारों को पहले से ही ज्यादा सतर्क बना दिया है। इस बीच, कई वैश्विक विश्वविद्यालयों, जिनमें यूनिवर्सटी ऑफ साऊथैम्पटन और डीकिन यूनिवर्सटी शामिल हैं, ने भारत में अपने कैंपस या सांझेदारियां स्थापित करना शुरू कर दिया है। अरोड़ा ने कहा, भारत भी खुद एक ज्यादा प्रमुख शिक्षा गंतव्य बनता जा रहा है। विशेषज्ञों ने अमरीका, कनाडा, यू.के. और ऑस्ट्रेलिया जैसे पारंपरिक गंतव्यों से हटकर जर्मनी, आयरलैंड, स्पेन और इटली जैसे देशों की ओर रुझान बढने की तरफ भी इशारा किया।

एक बालक से क्रांतिकारी तक का सफर

भगत सिंह भारत के उन महान सपूतों में से एक हैं, जिन्होंने मात्र 23 वर्ष की उम्र में देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। उनका नाम सुनते ही युवाओं के दिल में जोश भर जाता है। वे न केवल स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि विचारक, लेखक और समाज सुधारक भी थे। उनका जीवन छोटा था, लेकिन प्रभाव इतना गहरा कि आज भी लाखों लोग उन्हें याद करते हैं। भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को पंजाब के लायलपुर जिले के बंगा गांव (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। उनका पैतृक गांव खटकर कलां है, जो आज भारत के पंजाब में है। उनके पिता सरदार किशन सिंह और माता विद्यावती कौर एक देशभक्त सिख परिवार से थे, लेकिन आर्य समाज के विचारों से गहराई से प्रभावित थे। जन्म के समय उनके पिता और चाचा जेल में थे, क्योंकि वे अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाते थे। रिहाई के दिन उनका जन्म हुआ, जिससे घर में खुशी दोगुनी हो गई। बचपन से ही उन्हें देशभक्ति की शिक्षा मिली। बचपन और आर्य समाज का प्रभाव भगत सिंह का बचपन पंजाब की क्रांतिकारी हवा में बीता। उनके परिवार पर महर्षि दयानंद सरस्वती और आर्य समाज का गहरा असर था। आर्य समाज वेदों की ओर लौटने, मूर्तिपूजा का विरोध करने और समाज में समानता लाने की बात करता था। उनके पिता और चाचा अजीत सिंह आर्य समाज के सक्रिय सदस्य थे। भगत सिंह ने डीएवी स्कूल में पढ़ाई की, जहां आधुनिक शिक्षा के साथ वैदिक अनुशासन सिखाया जाता था। ये स्कूल मजबूत चरित्र, देशभक्ति और निर्भीकता सिखाते थे। 1919 में जलियांवाला बाग हत्याकांड ने 12 साल के भगत सिंह को गहरा झटका दिया। वे घटनास्थल गए और खून से सनी मिट्टी इकट्ठा की, जिसे घर लाकर पूजते थे। यह उनका पहला बलिदान का अनुभव था। आर्य समाज में यज्ञ का मतलब सिर्फ अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज के लिए खुद को समर्पित करना था। भगत सिंह ने 1923 में लिखा कि वे शादी के बजाय भारत माता और उसके 33 करोड़ बच्चों के लिए जीवन समर्पित करेंगे। वे राष्ट्र को मां मानते थे और सेवा को अपना उद्देश्य बनाया। जब 1930 में उनके पिता ने दया याचिका दी, तो उन्होंने सख्ती से मना किया। वे सिद्धांतों से समझौता नहीं चाहते थे। क्रांतिकारी बनने का सफर स्कूल छोड़कर भगत सिंह नेशनल कॉलेज, लाहौर में पढ़े, जहां लाला लाजपत राय ने स्वदेशी शिक्षा दी। वे नौजवान भारत सभा से जुड़े। 1926 में वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (बाद में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन) में शामिल हुए। चंद्रशेखर आजाद, सुखदेव, राजगुरु जैसे साथी मिले। 1928 में लाला लाजपत राय की पुलिस लाठीचार्ज से मौत हुई। बदला लेने के लिए भगत सिंह और राजगुरु ने लाहौर में पुलिस अधिकारी जेपी सांडर्स को गोली मारी। फिर दिल्ली की सेंट्रल असेंबली में बम फेंका, लेकिन ख्याल रखा कि कोई घायल ना हो क्योंकि उनका यह विरोध प्रतिकात्मक था। नारे लगाए - इंकलाब जिंदाबाद! वे पकड़े गए, लेकिन भागे नहीं। मुकदमे में उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी। जेल में भूख हड़ताल की, जिस से कैदियों के अधिकार सुधरे। जेल जीवनः समानता और अध्ययन का प्रतीक लाहौर जेल में भगत सिंह शांत और विचारशील रहे। उन्होंने सफाई कर्मचारी से रोटी मांगी, क्योंकि आर्य समाज समानता सिखाता था। हर इंसान में दिव्य चिंगारी है, कोई छुआछूत नहीं। वे किताबें पढ़ते रहे। जिसमें मार्क्स, लेनिन के अलावा भारतीय ग्रंथ भी शामिल थे। उन पर भगवद गीता का प्रभाव दिखता है। गीता में निष्काम कर्म, कर्तव्य पालन और निर्भीकता की बात है। भगत सिंह ने मौत को डर नहीं माना, बल्कि कर्तव्य माना। वे स्थितप्रज्ञ थे - मन शांत, विचार मजबूत। साथी क्रांतिकारीः राजगुरु और सुखदेव भगत सिंह अकेले नहीं थे। शिवराम राजगुरु महाराष्ट्र से थे। वे व्यायाम मंडल और राष्ट्रवादी संगठनों से जुड़े थे। अनुशासन, शारीरिक बल और देशभक्ति सीखी। कुछ समय नागपुर में रहे। सुखदेव संगठित और गंभीर थे। तीनों भाई जैसे थे। वे एक-दूसरे पर भरोसा करते थे। 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में फांसी हुई। वे गाते हुए गए - रमेरा रंग दे बसंती चोलाश। वीर सावरकर से प्रेरणा भगत सिंह वीर सावरकर को बहुत सम्मान देते थे। उन्होंने सावरकर की किताब 1857 का स्वातंत्र्य समर पढ़ी और छपवाई। 1909 में प्रकाशित एक ऐतिहासिक पुस्तक है। यह पहली किताब थी जिसने 1857 के विद्रोह को 'सिपाही विद्रोह' के बजाय सुनियोजित 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम' बताया। क्रांतिकारी इस पुस्तक को 'गीता' की तरह मानते थे। भगत सिंह सावरकर की जीवनी से प्रभावित हुए। सावरकर को संवेदनशील और साहसी माना। फांसी के बाद सावरकर ने रत्नागिरी में काला झंडा फहराया और कविता लिखी। दोनों क्रांतिकारी एक-दूसरे का आदर करते थे। विचारधाराः समाजवाद और आजादी भगत सिंह समाजवादी थे। वे पूंजीवाद, साम्राज्यवाद और जातिवाद के खिलाफ थे। जेल में ह्यमैं नास्तिक क्यों हूं? लिखा, लेकिन वे धर्म नहीं, अंधविश्वास के खिलाफ थे। वे समानता, न्याय और एकता चाहते थे। उनका मानना था कि आजादी के बाद गरीबी, अशिक्षा खत्म हो। अंतिम क्षण और अमरता 23 मार्च 1931 को शाम 7:33 बजे फांसी दी गई। वे हंसते-खेलते गए। उनकी मौत ने देश जगा दिया। आज वे अमर हैं। स्कूलों में उनकी कहानी पढ़ाई जाती है। युवा उन्हें आदर्श मानते हैं। भगत सिंह का जीवन सिखाता है कि उम्र नहीं, सिद्धांत मायने रखते हैं। वे बलिदान के प्रतीक हैं। उनका सपना - एक समान, स्वतंत्र और न्यायपूर्ण भारत - आज भी प्रेरित करता है।

भगत सिंह ने डीएवी स्कूल में पढ़ाई की, जहां आधुनिक शिक्षा के साथ वैदिक अनुशासन सिखाया जाता था। ये स्कूल मजबूत चरित्र, देशभक्ति और निर्भीकता सिखाते थे। 1919 में जलियांवाला बाग हत्याकांड ने 12 साल के भगत सिंह को गहरा झटका दिया। वे घटनास्थल गए और खून से सनी मिट्टी इकट्ठा की, जिसे घर लाकर पूजते थे। यह उनका पहला बलिदान का अनुभव था। आर्य समाज में यज्ञ का मतलब सिर्फ अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज के लिए खुद को समर्पित करना था। भगत सिंह ने 1923 में लिखा कि वे शादी के बजाय भारत माता और उसके 33 करोड़ बच्चों के लिए जीवन समर्पित करेंगे। वे राष्ट्र को मां मानते थे और सेवा को अपना उद्देश्य बनाया। जब 1930 में उनके पिता ने दया याचिका दी, तो उन्होंने सख्ती से मना किया। वे सिद्धांतों से समझौता नहीं चाहते थे। क्रांतिकारी बनने का सफर स्कूल छोड़कर भगत सिंह नेशनल कॉलेज, लाहौर में पढ़े, जहां लाला लाजपत राय ने स्वदेशी शिक्षा दी। वे नौजवान भारत सभा से जुड़े। 1926 में वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (बाद में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन) में शामिल हुए। चंद्रशेखर आजाद, सुखदेव, राजगुरु जैसे साथी मिले। 1928 में लाला लाजपत राय की पुलिस लाठीचार्ज से मौत हुई। बदला लेने के लिए भगत सिंह और राजगुरु ने लाहौर में पुलिस अधिकारी जेपी सांडर्स को गोली मारी। फिर दिल्ली की सेंट्रल असेंबली में बम फेंका, लेकिन ख्याल रखा कि कोई घायल ना हो क्योंकि उनका यह विरोध प्रतिकात्मक था। नारे लगाए - इंकलाब जिंदाबाद! वे पकड़े गए, लेकिन भागे नहीं। मुकदमे में उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी। जेल में भूख हड़ताल की, जिस से कैदियों के अधिकार सुधरे। जेल जीवनः समानता और अध्ययन का प्रतीक लाहौर जेल में भगत सिंह शांत और विचारशील रहे। उन्होंने सफाई कर्मचारी से रोटी मांगी, क्योंकि आर्य समाज समानता सिखाता था। हर इंसान में दिव्य चिंगारी है, कोई छुआछूत नहीं। वे किताबें पढ़ते रहे। जिसमें मार्क्स, लेनिन के अलावा भारतीय ग्रंथ भी शामिल थे। उन पर भगवद गीता का प्रभाव दिखता है। गीता में निष्काम कर्म, कर्तव्य पालन और निर्भीकता की बात है। भगत सिंह ने मौत को डर नहीं माना, बल्कि कर्तव्य माना। वे स्थितप्रज्ञ थे - मन शांत, विचार मजबूत। साथी क्रांतिकारीः राजगुरु और सुखदेव भगत सिंह अकेले नहीं थे। शिवराम राजगुरु महाराष्ट्र से थे। वे व्यायाम मंडल और राष्ट्रवादी संगठनों से जुड़े थे। अनुशासन, शारीरिक बल और देशभक्ति सीखी। कुछ समय नागपुर में रहे। सुखदेव संगठित और गंभीर थे। तीनों भाई जैसे थे। वे एक-दूसरे पर भरोसा करते थे। 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में फांसी हुई। वे गाते हुए गए - मेरा रंग दे बसंती चोला। वीर सावरकर से प्रेरणा भगत सिंह वीर सावरकर को बहुत सम्मान देते थे।

मोदी को आ रही हैं आत्मा की आवाजें, लोगों की नहीं

शकील अख्तर

शरीर मिथ्या है आत्मा अमर है! इसलिए पूरे देश से निकल रहीं एलपीजी, तेल की किल्लत की आवाजें सुनाई नहीं दे रहीं। मगर बंगाल की आत्मा की आवाज जरूर सुनाई दे रही है। और जब प्रधानमंत्री मोदी ने उसे अच्छी तरह सुन लिया और उसका खूब प्रचार कर दिया कि बंगाल बदलाव चाहता है तो चुनाव आयोग ने वहां सहित पांच राज्यों में चुनाव का अनाउंस कर दिया। सारी समस्याएं इस समय बंगाल में हैं। यहां तक कि वहां की सरकार भी अपराधी चला रहे हैं। मगर कोई यह नहीं पूछ सकता कि केन्द्र की सरकार कौन चला रहा है? अमेरिका! सब कुछ तो उसके आदेश अनुसार हो रहा है। रुस से तेल खरीदना बंद करो। बंद हो गया। 30 दिन के लिए खरीद सकते हो खरीदने लगे। लेकिन यह सब किसी को दिखाई नहीं दे रहा है। ठीक कोविड की तरह। लोग मर रहे हैं। आक्सीजन सिलेंडर नहीं हैं, दवा नहीं है, अस्पताल में बेड नहीं है। और मर जाएं तो शमशान नहीं। लाशें पुल से नीचे फेंक दी गईं। गंगा किनारे रेत में गाड़ दी गईं। मगर मोदी मोदी की आवाजों में कोई कमी नहीं आई। यहां तक कह दिया कि जो मर रहे हैं वे सीधे स्वर्ग जाएंगे। नफरत का नशा ऐसा ही होता है। पहले नोटबंदी में देखा। पूरा देश परेशान हो गया। फिर कोविड में जिन्दगी और मौत के बीच कोई फर्क नहीं रह गया। और अब रसोई गैस की कमी के दौरान। जनता की परेशानियों से कोई मतलब नहीं। उसकी आवाज पहले तो निकलती ही नहीं है और जो थोड़ी बहुत आहें कराहें आती हैं वह सुनने के बदले जहां अपनी सरकारें नहीं हैं वहां की आत्मा की आवाजें सुन रहे हैं। नफरत के नशे का यह आखिरी इम्तहान इस बार बंगाल में होगा। अगर यहां मोदी सफल नहीं हुए तो समझ लीजिए देश भर से नफरत का नशा टूटना शुरू हो गया है। पांच राज्यों में चुनाव है। मगर बीजेपी को सबसे ज्यादा उम्मीद बंगाल में है। विपक्ष शासित राज्यों में केरल और तमिलनाडु में कोई संभावना नहीं। यह दोनों राज्य एक बात और साबित करते हैं कि दक्षिण के लोग नफरत से कितने दूर हैं। हम क्यों नफरत में जी और मर रहे हैं यह दक्षिण के राज्यों को देखकर जरा सोचना चाहिए। बंगाल में प्रधानमंत्री को जो जो कहना था सब कह लिया। उन्हें बातों से ही भरोसा है। आखिर बातों के दम पर ही वे 12 सालों से देश में शासन कर रहे हैं। जहं चुनाव होते हैं वे बातों का तूमार बांध देते हैं। चुनाव के बाद न उन्हें बिहार याद है न दिल्ली, कोई प्रदेश नहीं। जिसको मन चाहा मुख्यमंत्री बनाया। हटाया जैसे बिहार में हटा रहे हैं, मध्यप्रदेश से शिवराज को हटाया। कोई पूछने वाला नहीं प्रधानमंत्री को दो बातों पर भरोसा है। एक हिन्दू-मुसलमान का जो जहर उन्होंने फैलाया है उससे उन्हें लगता है कि कुछ भी करें इस जहर के नशे में डूबी जनता अब कुछ भी देखने-समझने काबिल नहीं रही। उसे काल्पनिक डर दिखाओ वह उस डर में जीते हुए मोदी ही बचाएगी की सोच में उनका समर्थन करती रहेगी। दूसरी बात उन्हें खासतौर से बंगाल के संदर्भ में यह लगता है कि वहां टीएमसी के खिलाफ लेफ्ट और कांग्रेस के भी होने से उन्हें मदद मिलेगी। पता नहीं लेफ्ट और कांग्रेस क्या सोचते हैं मगर यह बात सही है कि अगर बंगाल में ममता हार गईं तो उनके लिए दिल्ली और दूर हो जाएगी। बंगाल का चुनाव ममता के अस्तित्व के लिए नहीं है। ममता बनी रहेंगी तो देश में कोई बड़ा फर्क नहीं पड़ जाएगा। लेकिन अगर ममता हार गईं तो मोदी फिर से ताकतवर हो जाएंगे। एक तरह से पुनर्जन्म हो जाएगा। मोदी इस समय बहुत कमजोर हैं। अमेरिका के सामने सरेंडर तो राहुल गांधी बहुत दिनों से कह रहे थे। आपरेशन सिंदूर बीच में रोकने के समय से ही। मगर अब जब अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के कारण देश में एलपीजी और तेल की समस्या आई तो लोगों की समझ में राहुल गांधी की बातें आने लगीं। राहुल गांधी ने कहा था बहुत बड़ा तूफान आने वाला है वह आ गया। असर सीधा मध्यम वर्ग पर है। और वह अपनी सुविधा के लिए कभी भी किसी को भी छोड़ सकता है। मध्यम वर्ग ने ही अन्ना हजारे का साथ देकर मोदी को लाया था और अब सारी समस्याएं उसी के सिर पर गिर रही हैं। गरीब लकड़ी जलाकर रोटी बना ले रहा है। मगर मिडिल क्लास के फ्लैट में लकड़ी कोयला नहीं जल सकता। उसे एलपीजी चाहिए। मोदी को इसलिए ईरान के राष्ट्रपति से बात करना पड़ी। उन्होंने ईरान पर हमले की निंदा नहीं की। सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की जिस तरह ट्रम्प ने हत्या करवाई और उसकी खुशी मनाई उस पर एक शब्द नहीं बोला। शोक तक व्यक्त नहीं किया। नए सुप्रीम लीडर चुने गए उसकी बधाई नहीं। जैसा अमेरिका ने कहा मोदी जी ने मान लिया। मगर अमेरिका गैस नहीं दिला पाया। हार्मुज स्ट्रेट जलडमरू मध्य से भारतीय जहाज नहीं निकलवा पाया। भारतीय मीडिया ने जरूर कोशिश की। खबरें चला दीं। मगर उससे जहाज नहीं चले। प्रधानमंत्री को खुद बात करना पड़ी। ईरान से ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। मगर मुस्लिम के खिलाफ माहौल बनाने के चक्कर में वहां से संबंध ही तोड़ लिए। चंद भक्त और पुलिस वाले खुश हो गए। संभल के एक पुलिस अधिकारी यह कहते सुने गए कि ईरान की बात करने पर मैं यह कर दूंगा, वह कर दूंगा। मगर प्रधानमंत्री ने बात कर ली।

पश्चिम बंगाल में चुनावी लोकतंत्र को असली मतदाताओं का नाम काटने से खतरा

नीलोत्पल बसु

भारत का विचार सावरकर की हिंदुत्व विचारधारा द्वारा बुनी गई काल्पनिक कहानियों से नहीं बना था। इसे ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन को हटाने के लिए राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में बहाए गए खून और पसीने से आकार मिला था। जाहिर है, इस विचार ने एक अलग ही कार्यप्रणाली तय की, जिसने 26 जनवरी, 1950 को लागू हुए संविधान के बुनियादी स्तंभों को बनाने में योगदान दिया। बुनियादी बातें क्या थीं? आर्थिक और राजनीतिक संप्रभुता और उपनिवेशवाद से मुक्ति की ओर बढ़ना स्वतंत्रता संग्राम का ही एक स्वाभाविक विस्तार था। इसे धर्मनिरपेक्ष होना था, ताकि लोगों को अपनी पसंद का धर्म मानने की आजादी और समानता मिल सके। इसे लोकतांत्रिक होना था, जिसके बिना कमजोर और ताकतवर लोगों के बीच की गहरी खाई, और धन व अवसरों में मौजूद भारी असमानता को पाटा नहीं जा सकता था। इसे संघीय होना था, ताकि कई राष्ट्रीयताओं, संस्कृतियों, भाषाओं, खान-पान और पहनावे की महान विविधता को सुरक्षित रखा जा सके। वह एक ऐसी विविधता थी जिसे हिंदुत्व द्वारा अपनाई जाने वाली एकध्रुवीय, एक-आयामी और संकीर्ण सोच के जरिए न तो समझा जा सकता था और न ही सुलझाया जा सकता था। जाहिर है, भारत का जो विचार संविधान ने स्थापित किया, वह किसी नव-फासीवादी कार्यप्रणाली पर नहीं चल सकता था। भारत का विचार इस सिद्धांत पर आधारित था कि अलग-अलग तरह के लोग एक समान और

साझा नागरिकता के साथ रहें। इसका सीधा सा मतलब है कि ऐसा विचार श्सार्वभौमिक वयस्क मताधिकारश् के सिद्धांत पर आधारित होना जरूरी था, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी को देश का हिस्सा होने का समान अधिकार मिले। एक श्राष्ट्रीय भाषाश् या एक श्राष्ट्रीय धर्मश् का विचार संविधान की परिकल्पना से कहीं बाहर था। पश्चिमी लोकतंत्रों की सोच के विपरीत, भारत में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और चुनावी लोकतंत्र को ही अपनाया जाना था। लेकिन अगर ऐसा न किया जाता, तो एक साझा और सामूहिक अस्तित्व में भारत की एकता खतरे में पड़ सकती थी। इस कार्यप्रणाली का मुख्य आधार एक मजबूत और संवैधानिक रूप से अधिकार प्राप्त श्भारतीय चुनाव आयोगश (ईसीआई) था, जो इस प्रतिनिधि लोकतंत्र को सुनिश्चित करे और उस पर निगरानी रखे। यह भी पूरी तरह से स्पष्ट है कि ईसीआई के लिए हर असली नागरिक को वोटर लिस्ट में शामिल करना एक श्कर्तव्यश था, न कि कोई उपकार। इसलिए, मतदाता सूची तैयार करने का काम ईसीआई का था, न कि किसी आम नागरिक का। भारत के विचार को आगे बढ़ाना ही संविधान द्वारा ईसीआई को सौंपा गया मुख्य कार्य था। दुर्भाग्य से, श्भारत के विचारश् के लिए मौजूदा खतरा ठीक इसी जगह से पैदा हो रहा है। इस खतरे के मूल स्रोत को लेकर कोई बहस नहीं हो सकती। यह श्हिंदुत्वश का विचार है जो नागरिकों के बीच उनकी अलग-अलग धार्मिक पहचान के आधार पर भेदभाव करता है। भारत में, आरएसएस ठीक वैसे ही करता है जैसे डोनाल्ड ट्रंप के इमिग्रेशन एंड कस्टम्सएनफोर्समेंट (आईसीई) एजेंट लोगों में डर और असुरक्षा की भावना पैदा करने की कोशिश करते हुए करते हैं। व्यावहारिक रूप से कहें तो, अमित शाह ने उन तथाकथित घुसपैठियों की पहचान करने के लिए अपनी उंगली तक नहीं उठाई, जो दीमकों की तरह राष्ट्र की जड़ों को खोखला कर रहे हैं! इसलिए, बिना किसी ठोस सुबूत के घुसपैठियों के मुद्दे को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने का तरीका अब ईसीआई के तौर-तरीकों में भी शामिल हो गया है। पता लगाओ, हटाओ और बाहर निकालो का नारा अब ईसीआई के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की एक अलिखित पहचान बन गया है। इस अभियान का मकसद उन नागरिकों के मताधिकार को छीनना है जिन्हें दीमक कहकर बदनाम किया जा रहा है। अब यह बिल्कुल साफ हो चुका है कि एसआईआर को पूरा करने के लिए जो बहुत कम समय सीमा तय की गई है, वह पूरी तरह से अव्यावहारिक और गलत है। इससे जो नुकसान हुआ है, वह सभी के सामने हैकृखास तौर पर पश्चिम बंगाल में। पश्चिम बंगाल एक सीमावर्ती राज्य है, जहां मुसलमानों की आबादी काफी बड़ी है। अब इन्हीं लोगों के मताधिकार को छीनने की कोशिश की जा रही है।

राष्ट्रीय राजनीति भी तय करेंगे विधानसभा चुनाव

राज कुमार सिंह

पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी चेरी में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है। चुनाव परिणाम इन 5 राज्यों में भावी सरकार का फैसला ही नहीं करेंगे, राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी बताएंगे। इन राज्यों का सत्ता संग्राम ज्यादा दिलचस्प इसलिए भी होगा, क्योंकि 2 राज्यों में केंद्र में सत्तारूढ़ गठबंधन राजग की सरकारें हैं तो 3 में विपक्षी गठबंधन ह्यइंडिया की। सबसे ज्यादा निगाहें पश्चिम बंगाल के चुनाव पर रहेंगी। ममता बनर्जी वहां 3 बार से मुख्यमंत्री हैं। दिलचस्प समीकरण यह कि पहले सत्ता में रही कांग्रेस और फिर 3 दशक से भी ज्यादा सत्तारूढ़ रहा वाम मोर्चा अब बंगाल की राजनीति में हाशिए पर हैं, जबकि भाजपा मुख्य विपक्षी दल बन चुकी है। पिछले चुनाव में भी भाजपा ने बंगाल में बदलाव का माहौल तो बनाया था लेकिन 294 सदस्यीय विधानसभा में 100 का आंकड़ा भी नहीं छू पाई, जबकि ममता की तृणमूल 215 सीटें जीत गई। दोनों दलों के मत प्रतिशत में भी 10 प्रतिशत का भारी अंतर रहा। बेशक 3 सीटों से 77 सीटों की छलांग कम चमत्कारिक नहीं, पर बहुमत का आंकड़ा 147 है। तमाम तिकड़मों के बावजूद भाजपा उसका आधा सफर ही तय कर पाई। 2 सीटों से लड़ीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चच्चत नंदीग्राम सीट से शुभेंदु अधिकारी द्वारा हरा देना शायद भाजपा की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। लगातार 3 कार्यकाल के बाद ममता और तृणमूल के विरुद्ध सत्ता विरोधी भावना की संभावना से इंकार नहीं, पर उसका चुनावी लाभ उठाने के लिए स्वीकार्य विश्वसनीय चेहरा और मजबूत संगठन तो चाहिए। विशाल अल्पसंख्यक वोट बैंक तृणमूल कांग्रेस की बड़ी चुनावी ताकत है। इसीलिए भाजपा हिंदू मतदाताओं को अपने पक्ष में गोलबंद करने की कवायद करती रहती है। इस कवायद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सक्रियता से भाजपा अपने और तृणमूल के बीच के फासले को कितना तय कर पाएगी, पश्चिम बंगाल का चुनाव परिणाम इस पर काफी निर्भर करेगा। पिछली बार मिल कर लड़े कांग्रेस और वाम मोर्चा इस बार अलग-अलग चुनाव मैदान में उतरेंगे। उनकी सीमित चुनावी भूमिका में यह देखना दिलचस्प रहेगा कि वे तृणमूल के अल्पसंख्यक वोट बैंक में सेंध लगाते हैं या फिर सत्ता विरोधी मतदाताओं में हिस्सा बंटा कर भाजपा को नुकसान पहुंचाते हैं। एक बात तय है कि यह चुनाव ममता और भाजपा, दोनों के लिए करो या मरो वाला रहेगा। ममता के लिए यह चुनाव सबसे चुनौतीपूर्ण होगा। इसलिए भाजपा के लिए बंगाल में सरकार बनाने का यह सबसे अनुकूल अवसर भी माना जा रहा है। अगर ममता चौथी बार भी जनादेश पाने में सफल रहीं तो विपक्षी गठबंधन इंडिया के जरिए राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को नजरअंदाज करना कांग्रेस के लिए मुश्किल हो जाएगा। तमिलनाडु की राजनीति अर्से तक द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच 2 ध्रुवीय रही लेकिन जयललिता के निधन के बाद वह संतुलन गड़बड़ा गया है। अन्नाद्रमुक के एकीकरण और उससे गठबंधन के जरिए भाजपा वहां सत्ता परिवर्तन की संभावनाएं तलाश रही है लेकिन एम.के. स्टालिन सरकार के कार्यकाल में सनातन धर्म और हिंदी भाषा को लेकर रह-रह कर उठते रहे विवादों के बावजूद यह आसान नहीं लगता। हां, टी.वी.के. नामक दल बना कर फिल्म अभिनेता से राजनेता बने थलापति विजय अगर बड़ी ताकत बन कर उभरे तो तमाम समीकरण गड़बड़ा सकते हैं। अगर द्रमुक गठबंधन सत्ता बचाने में सफल रहा तो उससे राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन का भी मनोबल बढ़ेगा ही। वैसे सनातन और हिंदी विरोधी छवि के मद्देनजर स्टालिन के लिए राष्ट्रीय राजनीति की डगर आसान नहीं होगी। इंडिया गठबंधन भी उनसे जुड़े विवादों से बचना ही चाहेगा। अगर टी.वी.के. की चुनावी मौजूदगी से गैर द्रमुक दलों की सत्ता संभावनाएं बनीं, तो वह एक धुर दक्षिण भारतीय राज्य में भाजपा के लिए बिना टिकट खरीदे ही लॉटरी खुल जाने से कम नहीं होगा। 5 चुनावी राज्यों में भाजपा की जीत की सबसे बेहतर संभावनाएं असम में हैं। अर्से से घुसपैठ और जनसांख्यिकी परिवर्तन जैसे मुद्दों से घिरे रहे असम में लगातार दूसरी बार भाजपा सरकार है। पूर्व कांग्रेसी हिमंत बिस्वा सरमा ने पूर्वोत्तर राज्यों में भाजपा का जैसा विस्तार करवाया, उसके पुरस्कार स्वरूप उन्हें पिछले चुनाव के बाद असम का मुख्यमंत्री बनाया गया। भाजपा के लाडले हिमंत इस समय कांग्रेस ही नहीं, राहुल गांधी के भी सबसे मुखर आलोचक हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा को भाजपा में शामिल करवा कर हिमंत ने कांग्रेस को एक और बड़ा झटका चुनाव से ठीक पहले दिया। बेशक असम की राजनीति में गठबंधन आज भी निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा और कांग्रेस में से कौन बेहतर ढंग से चुनावी गठबंधन को अंजाम दे पाता है। राहुल के करीबी गौरव गोगोई के राजनीतिक भविष्य का फैसला भी काफी हद तक ये चुनाव कर देंगे। केरल की 2 ध्रुवीय राजनीति में भाजपा के लिए ज्यादा संभावनाएं हैं नहीं।

केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन में सुनीं जन-समस्याएंय

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज अपने आवास पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नागरिकों की समस्याओं को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ सुना। उपमुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद लोगों को आश्वस्त किया कि सरकार हर पात्र व्यक्ति को न्याय दिलाने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता दर्शन के दौरान उपमुख्यमंत्री ने विशेष रूप से महिलाओं और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे पीड़ितों की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया। जनपद सम्भल निवासी शांति देवी (पत्नी लक्ष्मण कुमार) ने विधवा पेंशन दिलाने हेतु अनुरोध किया पर जिलाधिकारी से वार्ता कर निर्देश दिए। लखनऊ की कमला देवी ने आयुष्मान कार्ड बनवाने तथा वाराणसी की श्रीमती सरिता सेठ (पत्नी रामकुमार सेठ) ने कैंसर जैसे असाध्य रोग के उपचार हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने की गुहार लगाई। उक्त पर कार्यवाही हेतु अधिकारी को आदेश दिए। फिरोजाबाद से आई संध्या (पत्नी अमित कुमार) ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत घर दिलाने का अनुरोध किया।

सुबह के इन पांच आसनों से हटाएं आलस और बढ़ाएं ताकत

क्या सुबह सोकर उठने के बाद भी आपको नींद आती रहती है? शरीर

थका हुआ और आंखों में भारीपन महसूस होता है? नींद पूरी करने के बाद भी आलस और सुस्ती महसूस होती है? अगर हां तो आपकी ऊर्जा का स्तर कम है। आप शरीर की एनर्जी को बढ़ाकर सुस्ती, थकान और दिनभर आने वाली नींद को काबू में कर सकते हैं। इसके लिए अच्छे खानपान के साथ ही योग एक प्राकृतिक उपचार है। सुबह उठने के बाद कुछ योगासनों का अभ्यास करने से आपके ब्लड सकुर्लेशन बेहतर होता है। सांसों और मसल्स एक्टिवेशन को बढ़ावा मिलात है और शरीर में प्राकृतिक ऊर्जा आती है। अगर सुबह-सुबह आपको नींद, सुस्ती या लो एनर्जी महसूस होती है तो जरूरत है कुछ ऐसे योगासनों की जो न सिर्फ आपके शरीर को जगाएं, बल्कि आपके दिमाग को भी ताजगी और फोकस दें। यहां जानिए पांच आसान लेकिन असरदार ऊर्जा बढ़ाने वाले योगासनों के बारे में, जो हर उम्र के लोग कर सकते हैं।

सूर्य नमस्कार

अगर आपको दिनभर सुस्ती महसूस होती है। शरीर भारीपन लगता है, कुछ करने का मन न होता या थकान महसूस होती हो तो आपको रोज सुबह सूर्य नमस्कार से अपने दिन की शुरूआत करनी चाहिए। ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने और शरीर की थकान को दूर करने के लिए आप सूर्य नमस्कार कर सकते हैं। सूर्य नमस्कार शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाता है। इससे शरीर में लचीलापन आता है, पाचन में सुधार होता है और तनाव कम होता है।

वज्रासन में ध्यान

इस आसन में बैठकर ध्यान लगाने से मन शांत होता है और ऊर्जा का संतुलन बना रहता है। वज्रास के अभ्यास के लिए घुटनों को मोड़कर पैरों के बल बैठ जाएं। इस दौरान रीढ़ को सीधा रखें और हाथ घुटनों पर रखें। इस मुद्रा में कम से कम 5-10 मिनट तक बैठें और ध्यान लगाएं।

भुजंगासन

भुजंगासन पीठ की ताकत बढ़ाकर थकान को कम करता है। यह पाचन अंगों को उत्तेजित करता है और पाचन रस के स्त्राव को बढ़ाता है जिससे पाचन में सुधार और कब्ज से राहत मिलती है। यह गैस और अपच की समस्या को दूर करता है। पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है। इस योग से शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ता है।

उत्तानासन

यह आसन रीढ़ को रिलैक्स करता है और ब्लड फ्लो बढ़ाता है। इसके अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर धीरे-धीरे अपने कूल्हों से आगे की ओर झुकें। अपने हाथों से फर्श को छूएं। सिर को आराम देते हुए गहरी सांस लें। इस मुद्रा को 20-30 सेकंड तक बनाए रखें।

त्रिकोणासन

यह आसन साइड मसल्स को एक्टिव करता है और थकावट दूर करता है। त्रिकोणासन के अभ्यास से शरीर संतुलित रहता है। ये आसन साइड फैट, कमर और पेट के आसपास की चर्बी को कम करता है। त्रिकोणासन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर दाहिने पैर को 90 डिग्री बाहर की ओर और बाएं पैर को थोड़ा अंदर की ओर मोड़ें। अपने हाथों को कंधे के स्तर तक फैलाएं और श्वास लेते हुए दाहिनी ओर झुकें। दाहिने हाथ से दाहिने पैर को छूने की कोशिश करें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर उठाएं।

रोजमर्रा की इन आदतों से दवाओं के बिना भी कम की जा सकती है पीसीओडी ब्लोटिंग, जानिए कैसे

प्रोसेस्ड फूड में सोडियम बहुत ज्यादा होता है। ज्यादा सोडियम पानी रोकता है और ब्लोटिंग बढ़ाता है। इसलिए कोशिश करें कि प्रोसेस्ड फूड जैसे चिप्स, फ्रोजन फूड और फास्ट फूड आदि से दूरी बनाएं। इसके अलावा खाने में ज्यादा नमक या अचार आदि का सेवन भी ना करें।

पीसीओडी में कई तरह की समस्याओं जैसे वजन बढ़ने से लेकर मूड स्विंग्स तक का सामना करना पड़ता है। लेकिन इसके अलावा भी एक ऐसी समस्या है, जो आपको काफी परेशान कर सकती है और वह है ब्लोटिंग यानी पेट फूलना। पीसीओडी में जब ब्लोटिंग होती है तो आपको बहुत अधिक बैचेनी का अहसास होता है। इस स्थिति में अधिकतर महिलाएं दवाओं का सहारा लेती हैं। लेकिन जरूरी नहीं है कि हर बार आप सिर्फ और सिर्फ दवाओं पर ही निर्भर रहें। अगर आप अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करती हैं और अपनी रोजमर्रा की आदतों को कुछ बदल देती हैं तो इससे भी आपको काफी लाइट और एनर्जेटिक महसूस होता है।

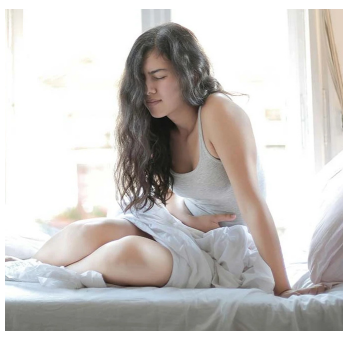

हालांकि, इन बदलावों में सिर्फ आपका खान-पान ही शामिल नहीं है, बल्कि आप अपने दिन की शुरूआत कैसे करती हैं या स्ट्रेस को किस तरह मैनेज करती हैं, यह सब भी काफी मायने रखता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही रोजमर्रा की आदतों के बारे में बता रहे हैं, जो पीसीओडी ब्लोटिंग को कम करने में आपकी काफी मदद करेंगे-

दिन की शुरूआत में लें नींबू पानी

दिन की शुरूआत हमेशा नींबू पानी के साथ करें। इसके लिए एक गिलास गुनगुने पानी में नींबू का रस डालकर पीएं। इससे ना केवल शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं, बल्कि डाइजेशन पर भी अच्छा असर पड़ता है, जिससे आपको ब्लोटिंग की शिकायत नहीं होती।

नमक और प्रोसेस्ड फूड को करें कम

प्रोसेस्ड फूड में सोडियम बहुत ज्यादा होता है।

बचे हुए खाने को इस तरह करेंगे रिहीट तो नहीं होगा सॉगी

अगर रात में रोटी या पराठा बच गया है तो उसे दोबारा गरम करने के लिए तवे का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा माना जाता है। इससे वह दोबारा उतनी ही क्रिस्पी और टेस्टी लगती है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि पराठे को थोड़ा घी या बटर लगाकर सेंक लो। हम सभी के घर में अक्सर खाना बच ही जाता है। अमूमन हम अपने घर में खाना एक अंदाजे से बनाते हैं। लेकिन कभी कोई खाना स्किप कर देता है या फिर बहुत कम खाता है तो इससे खाना बच ही जाता है। ऐसे में हम सभी उस बचे हुए खाने को फ्रिज में स्टोर कर देते हैं। लेकिन अगले दिन जब उस खाने को दोबारा गरम किया जाता है तो उसमें फिर से वह क्रिस्पीनेस नहीं होती है, जो होनी चाहिए। अगर दोबारा गरम करने पर खाना सॉगी हो जाता है तो किसी का भी मन उसे खाने का नहीं करता। अक्सर इस स्थिति में हम खाने को बाहर फेंक देते हैं, जो बिल्कुल भी सही नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बचे हुए खाने को रिहीट करने के कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बताएंगे, जिसे फॉलो करने से वह खाना दोबारा उतना ही टेस्टी व क्रिस्पी महसूस

होगा- तवे पर यूं करें खाना गरम अगर रात में रोटी या पराठा बच गया है तो उसे दोबारा गरम करने के लिए तवे का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा माना जाता है। इससे वह दोबारा उतनी ही क्रिस्पी और टेस्टी लगती है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि पराठे को थोड़ा घी या बटर लगाकर सेंक लो। इससे पराठे का टेस्ट और भी ज्यादा बेहतर हो जाएगा। माइक्रोवेव में यूं करें खाना गरम आज के समय में हम सभी खाना गरम करने के लिए माइक्रोवेव का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। माइक्रोवेव में खाना गरम करना काफी आसान है। लेकिन जब माइक्रोवेव में खाना गरम किया जाता है, तो वह अक्सर सॉगी हो जाता है। ऐसे में आप एक आसान ट्रिक को अपनाएं। इसके लिए खाने के ऊपर एक गीला टिश्यू या माइक्रोवेव सेफ ढक्कन रख दें। इससे भाप बनेगी और खाना एकसमान गरम होगा। इससे खाना खाने में ना सूखा लगेगा और ना ही उसे चबाने में मुश्किल होगी। एयर फ्रायर में यूं करें खाना गरम आज के समय में लोग अपने घरों में एयर फ्रायर का इस्तेमाल करने लगे हैं। बचे हुए खाने खासतौर से स्नैक्स को रिहीट करने के लिए एयर फ्रायर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है।

मुंह का कैंसर होने के ये 2 संकेत, बिल्कुल न करे लापरवाही पड़ सकती है भारी

आज के समय में मुंह का कैंसर भारत में सबसे तेजी से फैलने वाले कैंसरों में से एक बन चुका है। दुर्भाग्य से ज्यादातर लोग इसे तब तक गंभीरता से नहीं लेते, जब तक लक्षण बढ़ न जाएं या हालत बिगड़ न जाए। जबकि हकीकत ये है कि इसकी शुरूआत अक्सर कुछ आम आदतों से होती है, जिन्हें हम नजरअंदाज करते रहते हैं। इस लेख में हम बात करेंगे मुंह के कैंसर के दो मुख्य कारणों की, जिन्हें अगर समय रहते पहचाना और छोड़ा जाए, तो इस खतरनाक बीमारी से बचा जा सकता है।

तंबाकू और गुटखा का सेवन द सबसे बड़ा कारण

भारत में मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है तंबाकू, गुटखा, पान मसाला और सुपारी का सेवन। ये चीजें जब रोजाना लंबे समय तक चबाई जाती हैं, तो उनमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स मुंह के अंदर की त्वचा और टिश्यूज को धीरे-धीरे खराब करना शुरू कर देते हैं। अक्सर शुरूआत में सिर्फ छाले, जलन या सफेद चकत्ते दिखते हैं, जिन्हें लोग मामूली समझकर इग्नोर कर देते हैं। लेकिन ये शुरूआती संकेत होते हैं कि शरीर में कुछ गड़बड़ शुरू हो गई है। गुटखा और तंबाकू के कारण मुंह में घाव ठीक नहीं होते, और वहीं से कैंसर सेल्स पनपना शुरू कर देते हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि जब तक कैंसर डिटेक्ट होता है, तब तक वह आखिरी स्टेज में पहुंच चुका होता है। इसलिए अगर आप या आपके घर में कोई तंबाकू, गुटखा या सुपारी का सेवन कर रहा है तो आज ही इसे रोकने का संकल्प लें। ये आदत सिर्फ एक लत नहीं, एक धीमा जहर है।

बार-बार मुंह में छाले या घाव को नजरअंदाज करना

बहुत बार लोगों को लगता है कि मुंह में होने वाले छाले, जलन या हल्की सूजन कोई बड़ी बात नहीं है, ये तो गर्म चीजें खाने या मसालेदार खाने से हो जाती हैं। लेकिन अगर यही छाले दो हफ्तों से ज्यादा समय तक न ठीक हों, तो ये संकेत हो सकता है कि कुछ गंभीर हो रहा है।

मुंह का कैंसर अक्सर इसी तरह की छोटी-छोटी समस्याओं से शुरू होता है, जिन्हें लोग घरेलू नुस्खों से ठीक करने की कोशिश करते हैं या खुद से ही इलाज करना शुरू कर देते हैं। लेकिन कैंसर के शुरूआती लक्षणों को पहचानना बेहद जरूरी है।

बार-बार छाले होना

मुंह में गांठ बनना

गालों में सूजन

जबड़े का हिलना मुश्किल होना

आवाज में बदलाव

ये सभी संकेत हो सकते हैं कि आपको डॉक्टर को तुरंत दिखाने की जरूरत है।

कई बार छोटे-छोटे घाव कैंसर का शुरूआती रूप होते हैं, जिन्हें अगर सही समय पर पकड़ लिया जाए, तो इलाज संभव है। लेकिन देरी आपकी सेहत और जिंदगी द दोनों को जोखिम में डाल सकती है।

लापरवाही न करें, समय रहते चेत जाएं

मुंह का कैंसर एक जानलेवा बीमारी है, लेकिन समय रहते पहचाना जाए तो यह पूरी तरह से ठीक भी हो सकता है। इसके लिए सबसे जरूरी है कि आप अपनी आदतों पर नजर रखें और शरीर के संकेतों को हल्के में न लें।

चौत्र नवरात्रि 2026: इन 9 दिनों में इन चीजों को खरीदने से बचें, माना जाता है अशुभ

हिंदू धर्म का एक बेहद पवित्र और महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। यह त्योहार मां दुर्गा की भक्ति, पूजा और आध्यात्मिक साधना के लिए समर्पित होता है। इन नौ दिनों के दौरान भक्त देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं और अपने जीवन में शुद्धता, संयम और सात्विकता बनाए रखने की कोशिश करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवरात्रि के दौरान खानपान से लेकर खरीदारी तक कई नियमों का पालन किया जाता है। माना जाता है कि इस समय कुछ खास चीजों को खरीदने से बचना चाहिए, क्योंकि वे नकारात्मक ऊर्जा या अशुभता का प्रतीक

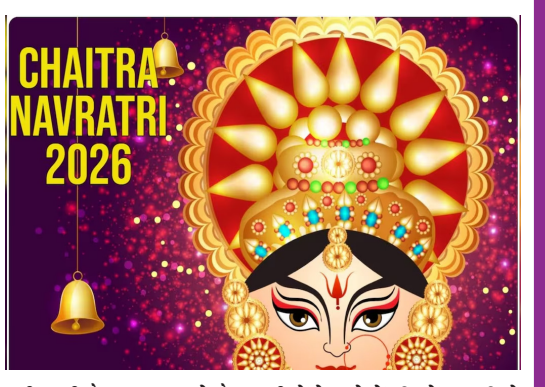

मानी जाती हैं। आइए जानते हैं उन चीजों के बारे में, जिन्हें नवरात्रि के दिनों में खरीदना उचित नहीं माना जाता।

चमड़े से बने सामान

नवरात्रि के दौरान कई लोग चमड़े से बने सामान जैसे जूते, बेल्ट, बैग या वॉलेट खरीदने से बचते हैं। चूंकि चमड़ा जानवरों की खाल से बनाया जाता है, इसलिए इसे इस पवित्र समय में खरीदना उचित नहीं माना जाता। नवरात्रि का पर्व करुणा, पवित्रता और भक्ति का प्रतीक है, इसलिए इस दौरान ऐसे उत्पादों से दूरी रखने की सलाह दी जाती है।

शराब

नवरात्रि के नौ दिनों में शराब का सेवन और उसकी खरीदारी दोनों से ही परहेज करने की परंपरा है। यह पर्व आध्यात्मिक शुद्धता और भक्ति पर केंद्रित होता है, इसलिए शराब जैसी चीजों को इस दौरान नकारात्मक माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इससे घर के पवित्र वातावरण पर भी असर पड़ सकता है।

मांसाहारी भोजन

नवरात्रि के समय ज्यादातर लोग मांस, मछली और अंडे जैसे मांसाहारी भोजन से दूरी बना लेते हैं। भक्त इन दिनों सात्विक भोजन को प्राथमिकता देते हैं, जिसमें फल, दूध, साबूदाना, कुट्टू का आटा और अन्य हल्के व पवित्र खाद्य पदार्थ शामिल होते हैं। माना जाता है कि इससे शरीर और मन दोनों शुद्ध रहते हैं और पूजा-पाठ में ध्यान लगाने में आसानी होती है।

काले रंग के कपड़े

कई धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि के दौरान काले रंग के कपड़े पहनने या खरीदने से बचना चाहिए। इसके बजाय लोग लाल, पीला और सफेद जैसे शुभ रंगों के कपड़े पहनना पसंद करते हैं। इन रंगों को सकारात्मक ऊर्जा और शुभता का प्रतीक माना जाता है।

धारदार वस्तुएं

पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि के दौरान चाकू, कैंची या अन्य धारदार वस्तुएं खरीदना भी उचित नहीं माना जाता। इन वस्तुओं को संघर्ष और नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है, जो त्योहार के शांत और पवित्र माहौल के विपरीत समझा जाता है।

बदलते मौसम में लूज मोशन से परेशान? ऐसे रखें पेट को स्वस्थ

मौसम बदलते ही अक्सर पेट की समस्याएं बढ़ जाती हैं। खासकर लूज मोशन या दस्त की शिकायत इस समय आम हो जाती है। यह हमारे डाइजेस्टिव सिस्टम पर असर डालता है। हमारी आंतों में करोड़ों अच्छे बैक्टीरिया रहते हैं, जिन्हें गट माइक्रोबायोम कहते हैं। ये बैक्टीरिया भोजन को पचाने, जरूरी विटामिन बनाने और हानिकारक बैक्टीरिया से बचाने में मदद करते हैं। लेकिन मौसम बदलने पर खान-पान और वातावरण में बदलाव से इन बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे पेट की दिक्कतें शुरू हो जाती हैं।

लूज मोशन किन लोगों को प्रभावित करता है

लूज मोशन हर उम्र के लोगों को हो सकता है। इसके दौरान बार-बार पतला या पानी जैसा मल आता है। इसके कई कारण हो सकते हैं। जैसे कि फूड पॉइजनिंग, वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण, अचानक खान-पान में बदलाव, एलर्जी या तनाव। कभी-कभी एंटीबायोटिक दवाओं के इस्तेमाल से भी अच्छे बैक्टीरिया कम हो जाते हैं और दस्त की समस्या बढ़ जाती है।

पेट की गर्मी दूर करेंगे ये फूड्स, आज ही बना लें डाइट का हिस्सा

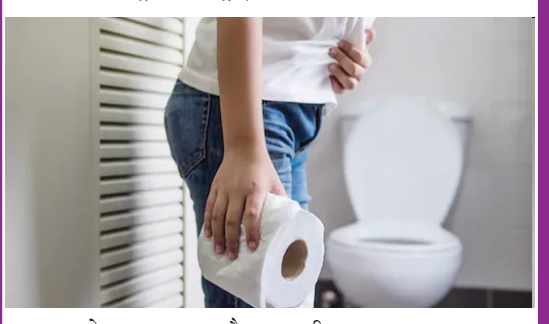

लूज मोशन का इलाज और सावधानी

अधिकतर मामलों में लूज मोशन 1-2 दिन में ठीक हो जाता है। लेकिन इस दौरान शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो सकती है। इसलिए यह जरूरी है कि आप खुद को हाइड्रेटेड रखें। यदि दस्त लंबे समय तक बने रहें या कमजोरी, चक्कर या डिहाइड्रेशन जैसी समस्या दिखे, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

घरेलू उपाय पेट को आराम देने के लिए

केलारू केला हल्का और पचाने में आसान होता है। इसे मैश करके थोड़ा घी, जायफल और इलायची मिलाकर खाने से पेट को आराम मिलता है।

दही और हल्का भोजनः दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं और पाचन सुधारते हैं। इसमें थोड़ा अदरक मिलाकर खाने से पेट और भी शांत रहता है।

अदरक, सौंफ और गुनगुना पानीः ये पेट की सूजन कम करने और दस्त की समस्या में राहत देने में मदद करते हैं।

काली चाय में नींबू और मसालेः एक कप काली चाय में नींबू का रस और थोड़ी सी जायफल या इलायची डालकर पीने से भी लूज मोशन में आराम मिलता है।

सेब घी में हल्का पकाकरः यह पाचन को बेहतर बनाता है और पेट को ठंडक और शांति देता है।

बदलते मौसम में पेट को स्वस्थ रखने के टिप्स

हल्का और ताजा भोजन करें।

डेटिंग ऐप से मिलने बुलाकर लूट करने वाले 5 गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ की अलीगंज पुलिस ने डेटिंग ऐप से दोस्ती कर मिलने के बहाने बुलाकर लूट करने वाले 5 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी गैंग बनाकर इस तरह की घटना को अंजाम देते थे। एडीसीपी नॉर्थ ऋषभ रुणवाल ने बताया मुखबिर की सूचना पर सेक्टर-ई कूड़ाघर अलीगंज के पास से सोमवार सुबह करीब 6 बजे पांच युवकों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान शक्तिनगर इंदिरा नगर निवासी खालिद अहमद (23), सर्वोदय नगर गाजीपुर निवासी देवकरण सिंह (23), अलीगंज निवासी आकाश पांडे (21), पूर्वांचल नगर सर्वोदय नगर निवासी सुभाष रावत (21) के रूप में हुई। गैंग में एक नाबालिग भी शामिल है। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे लोग ऑनलाइन डेटिंग ऐप ग्राइंडर के माध्यम से लोगों से संपर्क करते थे। गिरोह का एक सदस्य पहले पीड़ित के घर या कमरे में जाता था। उसके कुछ ही देर बाद गिरोह के अन्य सदस्य फोन के जरिए मैसेज रिसीव कर कमरे का दरवाजा खुलवाकर अंदर घुस जाते थे।

सूर्यकुमार बोले- सैमसन-किशन और युवा जोश से भारत बना चैंपियन

नई दिल्ली। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप जीत के पीछे की रणनीति और टीम की सोच का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि संजू सैमसन का चयन, अभिषेक शर्मा की फाइनल में आक्रामक बल्लेबाजी और ईशान किशन पर भरोसा इस सफलता के अहम कारण रहे। साथ ही उन्होंने भारतीय टीम की ह्यफियरलेसह्ल संस्कृति का श्रेय पूर्व कप्तानों और सीनियर खिलाड़ियों को दिया। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने लगातार दो आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप जीतने के अनुभव को बेहद खास बताया है। उन्होंने कहा कि जब यह तय हुआ कि 2026 का टूर्नामेंट भारत में खेला जाएगा, तभी से टीम ने इसकी तैयारी शुरू कर दी थी। सूर्यकुमार ने बताया कि टीम ने करीब 17-18 महीने पहले से ही अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी थी और खिलाड़ी भी इस चुनौती को लेकर काफी उत्साहित थे। 'अहमियत बाद में महसूस होगी' भारतीय टी20 कप्तान ने कहा, 'लगातार दो वर्ल्ड कप जीतना अपने आप में शानदार अनुभव है। जब हमें पता चला कि यह वर्ल्ड कप भारत में खेला जाएगा, तब से ही हमने इसकी तैयारी शुरू कर दी थी। खिलाड़ी काफी उत्साहित थे और हम सब जानते थे कि यह हमारे लिए कितना बड़ा मौका है।' उन्होंने आगे कहा कि युवा खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप जीतने की अहमियत समझाना भी जरूरी था। कप्तान ने कहा, 'मैंने खिलाड़ियों से कहा कि अभी जब वे 24-27 साल के हैं, तब शायद उन्हें इसकी पूरी अहमियत महसूस नहीं होगी। लेकिन जब वे अपने करियर के अंत में पीछे मुड़कर देखेंगे, तब समझ आएगा कि उन्होंने कितने वर्ल्ड कप जीते हैं।' सैमसन

का चयन बना टर्निंग पॉइंट सूर्यकुमार यादव ने खुलासा किया कि टूर्नामेंट के दौरान टीम में संजू सैमसन को शामिल करना एक अहम रणनीतिक फैसला था, जिसने टीम की दिशा बदल दी। उन्होंने बताया कि उस समय टीम मैनेजमेंट को बल्लेबाजी क्रम में संतुलन की जरूरत महसूस हो रही थी और सैमसन का शामिल होना बिल्कुल सही समय पर लिया गया फैसला था। सूर्यकुमार ने कहा, 'सैमसन के टीम में आने के बाद मैच का रुख बदल गया। यह थोड़ा टैक्टिकल फैसला भी था क्योंकि टॉप ऑर्डर में दो-तीन लेफ्ट हैंडर बल्लेबाज थे। सैमसन का शामिल होना सही समय पर लिया गया फैसला था।' उन्होंने सैमसन की मेहनत की भी तारीफ की। सूर्यकुमार ने कहा, 'वह पर्दे के पीछे बहुत मेहनत कर रहे थे। किसी को पता नहीं था कि वह किस दौर से गुजर रहे थे। लेकिन पूरे टूर्नामेंट में जिस तरह उन्होंने खेला, वह शानदार था और आखिरकार वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने।' फाइनल में अभिषेक और सैमसन की आक्रामक शुरूआत टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में भारत की आक्रामक शुरूआत ने टीम का आत्मविश्वास बढ़ा दिया था। खासकर अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की बल्लेबाजी ने डगआउट में सकारात्मक माहौल बना दिया। सूर्यकुमार ने बताया कि अभिषेक शर्मा पहले से ही इस बड़े मौके के लिए आत्मविश्वास से भरे हुए थे। उन्होंने कहा, 'अभिषेक हमेशा मुझसे कहता था, ह्यपाजी चिंता मत करो, मैं आपके लिए वर्ल्ड कप जिताऊंगा और ऐसी पारी खेलूंगा जिसे आप हमेशा याद रखेंगे।ह्ल उसके अंदर काफी सकारात्मकता थी और पूरी टीम उसका समर्थन कर रही थी।' उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को भरोसा था कि अभिषेक का बड़ा प्रदर्शन जल्द आने वाला है। सूर्यकुमार ने कहा, 'हमें पता था कि उसका समय आने वाला है और फाइनल से बेहतर मंच कोई नहीं हो सकता था।' गौतम गंभीर के साथ खास रिश्ता टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ अपने रिश्ते को लेकर भी सूर्यकुमार यादव ने दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि दोनों एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं और उनके बीच बहस नहीं बल्कि चर्चा होती है। सूर्यकुमार ने कहा, 'यह बहस नहीं बल्कि चर्चा होती है। हम एक-दूसरे को करीब 12 साल से जानते हैं। 2014 में जब मैं केकेआर गया था, तब हमारा सफर शुरू हुआ।' उन्होंने यह भी बताया कि रङ (स्काई) नाम उन्हें गंभीर ने ही दिया था। सूर्यकुमार ने कहा, 'उन्होंने ही मुझे ह्यरङ ह्ल नाम दिया और 2015-16 के आसपास मुझे टीम का उप-कप्तान भी बनाया, क्योंकि उन्हें विश्वास था कि भविष्य में मैं टीम का नेतृत्व कर सकता हूं। आज भी मैं उन्हें ह्यगौति भाईह्ल ही कहकर बुलाता हूं।' सूर्यकुमार ने एक दिलचस्प किस्सा भी बताया कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम ने कई बार गंभीर को हंसाने की कोशिश की। उन्होंने बताया, 'हमने कई बार उन्हें हंसाने की कोशिश की, लेकिन मैच इतने तीव्र थे कि वह ज्यादा मुस्कुराते नहीं थे। हालांकि फाइनल जीतने के बाद जब हमने उनके चेहरे पर मुस्कान देखी, तो सभी खिलाड़ी बेहद खुश हो गए।' ईशान किशन के चयन की दिलचस्प कहानी टी20 वर्ल्ड कप टीम में ईशान किशन को शामिल करने का फैसला भी काफी दिलचस्प रहा। सूर्यकुमार यादव ने बताया कि यह फैसला पूरी तरह डेटा पर नहीं बल्कि काफी हद तक उनके अनुभव और सहज निर्णय पर आधारित था। उन्होंने कहा कि इस फैसले से पहले टीम मैनेजमेंट के सामने मुश्किल स्थिति थी क्योंकि जितेश शर्मा भी लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। सूर्यकुमार ने कहा, 'यह फैसला काफी हद तक मेरे इंस्टिंक्ट पर आधारित था, हालांकि डेटा भी देखा गया था। जितेश शर्मा को बाहर रखना काफी कठिन फैसला था क्योंकि वह पिछले डेढ़ साल से अच्छा खेल रहे थे।' उन्होंने बताया कि टीम को टॉप ऑर्डर में अतिरिक्त आक्रामकता और लेफ्टझराइट कॉम्बिनेशन की जरूरत थी। सूर्यकुमार ने बताया, 'मैंने ईशान को फोन किया और पूछा- छोटू, वर्ल्ड कप जिताएगा? उसने जवाब दिया- भैया बस भरोसा करके देखिए। तब मैंने कहा- चल, किया भरोसा। और जिस तरह उसने खेल दिखाया, वह शानदार था।' भारतीय टीम की फियरलेस सोच का राज सूर्यकुमार यादव ने कहा कि आज भारतीय टीम जिस निडर क्रिकेट के लिए जानी जाती है, उसकी नींव कई पूर्व कप्तानों ने रखी है। उन्होंने बताया कि हर कप्तान ने टीम में अपनी अलग पहचान और शैली जोड़ी। उन्होंने कहा कि सौरव गांगुली ने भारतीय टीम को नई दिशा दी और खिलाड़ियों में आत्मविश्वास भरा। इसके बाद एमएस धोनी ने शांत और संयमित नेतृत्व से टीम को कई बड़ी सफलताएं दिलाईं। फिर विराट कोहली ने टीम में आक्रामकता और फिटनेस का नया स्तर स्थापित किया। सूर्यकुमार ने कहा कि इसके बाद रोहित शर्मा ने खिलाड़ियों के साथ संवाद और समर्थन की संस्कृति को मजबूत किया। उन्होंने कहा, 'इन सभी कप्तानों की अलग-अलग शैली रही है और भारतीय क्रिकेट को उससे काफी फायदा हुआ है। आज हम जो हासिल कर रहे हैं, वह पहले रखी गई उसी नींव का परिणाम है।' सीनियर खिलाड़ियों ने निभाई अहम भूमिका सूर्यकुमार यादव ने यह भी माना कि युवा टीम होने के बावजूद सीनियर खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में टीम का मजबूत सहारा बने रहे। उन्होंने विशेष रूप से जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और हार्दिक पांड्या की तारीफ की।

आरसीबी प्रशंसकों को मिली बड़ी राहत, चिन्नास्वामी स्टेडियम करेगा मैचों की मेजबानी

नई दिल्ली। बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम को आईपीएल मैचों की मेजबानी करने की मंजूरी मिल गई है। कर्नाटक सरकार द्वारा गठित की गई विशेषज्ञों की समिति ने स्टेडियम को मैच आयोजित करने की हरी झंडी दे दी है। आईपीएल 2026 सीजन से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के प्रशंसकों को बड़ी राहत मिली है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा गठित की गई विशेषज्ञों की समिति ने बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल के मुकाबले आयोजित करने की मंजूरी दे दी है। आरसीबी को होम प्रारूप में अपने पांच मैच चिन्नास्वामी में खेलने हैं, जबकि दो मुकाबले टीम रायपुर में खेलेगी। आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है और गत चैंपियन आरसीबी पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी। केएससीए अधिकारियों ने समिति से की थी मुलाकात कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अधिकारियों ने शुक्रवार को राज्य सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति से मुलाकात की थी और आईपीएल के मौजूदा सत्र से पहले एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में किए जा रहे सुरक्षा उपायों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया था। आरसीबी की टीम सत्र के उद्घाटन मैच के अलावा उद्घाटन समारोह का आयोजन भी यहीं करेगी। आरसीबी इस सत्र में चिन्नास्वामी स्टेडियम में पांच घरेलू मैच खेलेगी, जबकि शेष दो मैच रायपुर में खेले जाएंगे। आरसीबी और उससे संबंधित परिचालन एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने आगामी आईपीएल मैचों के सुचारू और व्यवस्थित संचालन के लिए अपनी तैयारियों और परिचालन योजनाओं की प्रस्तुति भी दी।

छह बॉल पर 6 छक्के, गेल के 175 या सबसे तेज शतक?

नई दिल्ली। आईपीएल में उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी से जब पूछा गया कि वह कौन सा रिकॉर्ड बनाना चाहेंगे, एक ओवर में छह छक्के, क्रिस गेल के 175 रन या सबसे तेज शतक. तो उन्होंने दिलचस्प जवाब दिया। सूर्यवंशी ने खुलासा किया कि उनके लिए कौन सा कारनामा सबसे खास होगा। नई दिल्ली में आयोजित बीसीसीआई के 'नमन' कार्यक्रम में क्रिकेट के कई सुपरस्टार्स पहुंचे। हाल ही में टी20 विश्वकप जीतने वाली सीनियर भारतीय टीम से लेकर इस साल अंडर-19 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम तक, सभी टीमों को बोर्ड ने सम्मानित किया। भारत को अंडर-19 विश्वकप जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले वैभव सूर्यवंशी भी कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान मंच का संचालन कर रहे कमेंटेटर हर्षा भोग्ले ने वैभव के सामने कुछ रिकॉर्ड्स रखे और पूछा कि इनमें से कौन से रिकॉर्ड को वह तोड़ना या बनाना चाहेंगे। इस पर वैभव ने जो चुना, उसने सभी का दिल जीत लिया। आइए जानते हैं... कौन सा रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं वैभव? एक सेशन में हर्षा भोग्ले के साथ स्टेज पर वैभव, हार्दिक पांड्या, संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा मौजूद थे। इस दौरान हर्षा ने वैभव से कहा, 'तीन चीजें बताता हूं आपको। आप बताइए कि इनमें सबसे बड़ी ख्वाहिश आपकी किस चीज की होगी? एक ओवर में छह छक्के? क्रिस गेल जो आपकी तरह लेफ्ट हैंडेड थे, उन्होंने 175 बनाए थे आईपीएल में? या फिर आईपीएल में सबसे तेज शतक? वैसे दूसरा सबसे तेज शतक किसने किया है, क्या ये आपको पता है?' इस पर वैभव ने जवाब दिया, 'मैंने ही किया है।' इस पर हर्षा ने कहा, 'तो तीन चीजें बताइं, आपकी ख्वाहिश सबसे ज्यादा किस चीज की है?' इस पर वैभव ने जवाब दिया, 'सर ख्वाहिश 175 रन के रिकॉर्ड को तोड़ने का है।' वैभव कर सकते हैं कमाल वैभव हाल फिलहाल में जिस तरह के फॉर्म में दिखे हैं, वह आने वाले समय में गेल का रिकॉर्ड तोड़ दें तो हैरानी नहीं होगी। वैभव आने वाले समय के सुपरस्टार माने जा रहे हैं। उन्होंने आईपीएल में 35 गेंद पर शतक लगाया था, जो कि इस लीग का दूसरा सबसे तेज शतक है।

हार्दिक-अभिषेक और संजू ने क्या कहा? रैपिड फायर राउंड में हुए अजब-गजब खुलासे

नई दिल्ली। बीसीसीआई के नमन अवॉर्ड्स 2026 में क्रिकेट सितारों की महफिल सजी, जहां महिला खिलाड़ियों की खूबसूरती और स्टाइल ने सबका ध्यान खींच लिया। समारोह में शुभमन गिल को ह्यपॉली उमरीगर क्रिकेटर ऑफ द ईयरह्ल और स्मृति मंधाना को पांचवीं बार सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर का अवॉर्ड दिया गया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को नई दिल्ली में सम्मान समारोह आयोजित किया। इस दौरान पिछले

लगभग एक साल में पांच आईसीसी ट्रॉफीज जीतने का जश्न मनाया गया। साथ ही भारतीय क्रिकेटरों को अलग-अलग अवॉर्ड से सम्मानित भी किया गया। समारोह के दौरान एंकर हर्षा भोगले ने वैभव सूर्यवंशी, हार्दिक पांड्या, संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा के साथ रैपिड फायर राउंड खेला। इस दौरान चारों ने कुछ हैरान कर देने वाले जवाब दिए। आइए जानते हैं... हर्षा भोगले का दूसरा सवालः पहला वीडियो गेम? अभिषेक शर्माः मुझे लगता है सभी ने यह खेला होगा। क्रिकेट जीरो सेवन, ई.ए स्पोर्ट्स, वह मेरा पहला वीडियो गेम था। संजू सैमसनः जीटीए वाई सिटी हार्दिक पांड्याः डब्ल्यूडब्ल्यूई (इस पर सब हंसने लगे) वैभव सूर्यवंशीः सर मैं वीडियो गेम खेलता ही नहीं हूं। इस पर हर्षा ने कहा- क्योंकि लोग कहते हैं आपका क्रिकेटिंग गेम वीडियो गेम की तरह ही है। वैभव के जवाब पर ईशान किशन भी हंसते हुए कुछ कहते दिखे। हर्षा भोगले का अगला सवालः पहली कार या पहली बाइक? अभिषेक शर्माः एक्टिवा स्कूटी, उससे मैं मैदान पर प्रैक्टिस के लिए जाता था। संजू सैमसनः वैगन आर कार हार्दिक पांड्याः मारुति 800, कांच पीछे से खुलने वाली। वैभव सूर्यवंशीः मैंने सर अभी तक नहीं ली है। (इस पर सब हंसने लगे) बता दें कि राजस्थान रॉयल्स के युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल 2025 के बाद सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन अवॉर्ड से नवाजा गया था। इस अवॉर्ड के साथ उन्हें टाटा कर्व कार इनाम के तौर पर मिली थी। बिहार के लाल ने इस सत्र में कमाल का प्रदर्शन किया जिसका अब उन्हें फल मिला था। दिलचस्प बात यह है कि वैभव इस कार को चला नहीं पाए। इसका सबसे बड़ा कारण उनकी उम्र है।

छक्का लगाया था द्रविड़-सैमसन से क्या बातचीत हुई?

नई दिल्ली। कमेंटेटर हर्षा भोग्ले ने कार्यक्रम का संचालन किया और एक सेशन में वह कई स्टार्स से बात करते हुए दिखे। इसी दौरान 14 साल के वैभव सूर्यवंशी को भी बुलाया गया और उन्होंने आईपीएल में अपनी पहली गेंद की कहानी भी बताई। बीसीसीआई के 'नमन'

कार्यक्रम में क्रिकेट के सितारों का जमावड़ा लगा। रविवार को नई दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में कई भारतीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया और साथ ही पिछले लगभग एक साल में चैंपियन बनी भारतीय टीमों को भी सम्मानित किया गया। हालांकि, इस कार्यक्रम में सबसे ज्यादा चर्चा वैभव सूर्यवंशी की हो रही है। कमेंटेटर हर्षा भोग्ले ने कार्यक्रम का संचालन किया और एक सेशन में वह कई स्टार्स से बात करते हुए दिखे। इसी दौरान 14 साल के वैभव सूर्यवंशी को भी बुलाया गया और उन्होंने आईपीएल में अपनी पहली गेंद की कहानी भी बताई। दरअसल, 14 साल के वैभव ने आईपीएल 2025 में इस लीग में डेब्यू किया था और अपनी पहली ही गेंद पर शार्दुल ठाकुर को छक्का लगाया था। आइए जानते हैं वैभव ने क्या कहा... क्या हुआ था उस मैच में? दरअसल, आईपीएल का 36वां मैच राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला गया था। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी की थी और 20 ओवर में पांच विकेट पर 180 रन बनाए थे। यह वैभव का आईपीएल डेब्यू मैच था। तब संजू आरआर में हुआ करते थे और कोच द्रविड़ थे। संजू इस मैच का हिस्सा नहीं थे और रियान पराग कप्तान थे। हालांकि, अब द्रविड़ और संजू दोनों ही आरआर टीम के साथ नहीं हैं। संजू सीएसके में ट्रेड हो चुके हैं और द्रविड़ फिलहाल किसी टीम से नहीं जुड़े हैं। 181 रन के लक्ष्य का पीछा करने वैभव और यशस्वी जायसवाल उतरे थे और लखनऊ की ओर से गेंदबाजी की कमान शार्दुल ने संभाली थी। स्ट्राइक यशस्वी के पास थी और पहली गेंद पर कोई रन नहीं बना। दूसरी गेंद पर यशस्वी ने चौका लगाया। फिर तीसरी गेंद पर एक रन बना। चौथी गेंद पर स्ट्राइक वैभव के पास था और उन्होंने शार्दुल की गेंद पर ओवर कवर्स छक्का लगाया था। यह देखकर लखनऊ के साथ-साथ राजस्थान का कैंप हैरान रह गया था। सबकी शक्लें देखने लायक थीं। उस मैच में वैभव ने 20 गेंद में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 34 रन बनाए थे। हालांकि, राजस्थान की टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 178 रन ही बना सकी थी। हालांकि, वैभव ने अपनी झलक दिखा दी थी और बाद में वैभव ने इस लीग में कई रिकॉर्ड्स भी बनाए। आईपीएल में दूसरा सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड उन्हीं के नाम है। वह आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय हैं। हर्षा ने वैभव से कहानी पूछी अब नमन अवॉर्ड्स में हर्षा ने वैभव से उस गेंद की कहानी पूछी और कहा, 'पहली गेंद कहां गई थी?' इस पर वहां वैभव के साथ बैठे संजू ने कहा, 'बहुत दूर'। इस पर वैभव हंसने लगे। वैभव के साथ मंच पर हार्दिक पांड्या, संजू और अभिषेक शर्मा बैठे थे। इसके बाद हर्षा ने कहा, 'आपके कोच जो थे, वो यहां बैठे हैं। वो खुद डेढ़ डेढ़ दिन बैटिंग करते थे। उनसे क्या बातचीत हुई कि क्या मैं पहली गेंद पर जाकर छक्का मारूंगा?' वैभव की कहानी संजू की जुबानी इसके बाद वैभव ने बताया, 'मैच से पहले संजू भैया और सर द्रविड़ ने रूम में बुलाया था और पूछा था क्या करना है। तो मैंने बोला था कुछ करना नहीं है, लेकिन अगर मिलेगा तो...'। तभी वैभव की बात को बीच में काटते हुए संजू ने कहा, 'बात को बीच में रोकने के लिए माफी चाहूंगा, लेकिन मैं उस रूम में उस बातचीत का हिस्सा था। तो मैं बताना चाहूंगा कि क्या हुआ। तो द्रविड़ ने मुझसे कहा कि संजू, वैभव को बुलाया चाहिए और उससे बातचीत करनी चाहिए। वो अभी बच्चा है और हमें बताया होगा कि किस प्रकार आगे बढ़ना है। जब वैभव आए तो द्रविड़ सर ने पूछा उनसे कि क्या प्लान है। इस पर वैभव ने कहा- ऐसा कुछ नहीं है सर, हम तो खेलेंगे।' (ये संजू ने वैभव के एक्सेंट में बताया) 'वीडियो गेम ही खेल रहा है' संजू ने बताया, 'इसके बाद द्रविड़ ने फिर वैभव से पूछा- गेमप्लान क्या है? इस पर वैभव ने कहा- अगर हमें पहला मिला तो हम पहला ही उड़ा देंगे।' (ये भी संजू ने वैभव के एक्सेंट में बताया) संजू की ये बात सुन द्रविड़ समेत वहां बैठे सभी लोग हंस पड़े। संजू ने कहा, 'ऐसा ही हुआ था वहां। फिर हमने कहा ये अलग ही जोन में है वीडियो गेम ही खेल रहा है।

भारतीय क्रिकेट का दबदबा देखना मेरा बरसों पुराना सपना था, अब वह सच होता दिख रहा है

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने कहा कि विश्व क्रिकेट में भारत का दबदबा देखना उनका वर्षों पुराना सपना था जो अब सच होता दिख रहा है। उन्होंने हाल के वर्षों में पुरुष, महिला और जूनियर टीमों की सफलता पर गर्व जताया और महिला क्रिकेट के विकास का श्रेय जय शाह को दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज खिलाड़ी मिताली राज का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का बढ़ता दबदबा उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से वह भारतीय क्रिकेट को विश्व स्तर पर शीर्ष पर देखना चाहती थीं और अब यह सपना धीरे-धीरे सच होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने हाल के वर्षों में पुरुष, महिला और जूनियर टीमों के शानदार प्रदर्शन को भारतीय क्रिकेट की बड़ी उपलब्धि बताया। ह्यबरसों पुराना सपना अब सच होता दिख रहाह्ल बीसीसीआई के सम्मान समारोह के दौरान मिताली राज ने कहा, 'मैं बरसों से चाहती थी कि भारतीय क्रिकेट का दबदबा हो और अब वह समय आ गया है।' उन्होंने आगे कहा, 'पिछले दो-तीन साल में भारतीय क्रिकेट ने हर स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। महिला टीम, पुरुष टीम और अंडर-19 लड़के-लड़कियों की टीमों ने बेहतरीन खेल दिखाया है। एक पूर्व क्रिकेटर के तौर पर यह देखकर गर्व महसूस होता है।' हाल के वर्षों में भारत की बड़ी सफलताएं पिछले कुछ वर्षों में भारतीय क्रिकेट ने कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खिताब जीते हैं। भारत ने 2024 और 2026 में टी20 विश्व कप जीतकर दुनिया में अपनी ताकत दिखाई। वहीं महिला टीम ने पहली बार वनडे विश्व कप अपने नाम किया। इसके अलावा अंडर-19 स्तर पर भी भारत की लड़कों और लड़कियों की टीमों ने विश्व खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया है। महिला क्रिकेट के विकास का श्रेय जय शाह को मिताली राज ने भारतीय महिला क्रिकेट में आए बदलाव के लिए जय शाह के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'पिछले चार-पांच साल में भारतीय महिला क्रिकेट में जबरदस्त बदलाव आया है। इसके पीछे बीसीसीआई और जय शाह का बड़ा योगदान है। महिला क्रिकेट के विकास के लिए उनका विजन और प्रतिबद्धता काफी अहम रही है।' बीसीसीआई के कार्यकाल में पुरुष और महिला खिलाड़ियों की मैच फीस बराबर करने का फैसला लिया गया और महिला प्रीमियर लीग की शुरूआत भी हुई। सचिन और राहुल द्रविड़ से मिली प्रेरणा मिताली राज ने अपने करियर के दौरान पुरुष क्रिकेटरों से मिली प्रेरणा का भी जिक्र किया।

कोच हेसन को क्यों बनाया जा रहा बलि का बकरा? चयनकर्ता ने उन पर हार का ठीकरा फोड़ा

बांग्लादेश से सीरीज हारने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में चयन को लेकर विवाद बढ़ गया है। चयनकताओं ने कोच माइक हेसन को मिली पूरी चयन शक्ति पर सवाल उठाए हैं। आकिब जावेद ने कहा कि चयनकर्ता 21 खिलाड़ियों की सूची देते हैं, जबकि अंतिम टीम और प्लेइंग इलेवन का फैसला कोच और कप्तान करते हैं। पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ मिली हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में नया विवाद शुरू हो गया है। टीम के चयन को लेकर कोच और चयनकताओं के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। दरअसल, पाकिस्तान के राष्ट्रीय चयनकर्ता कोच माइक हेसन को टीम चयन में मिली पूरी शक्ति से खुश नहीं बताए जा रहे हैं। इसी मुद्दे पर शनिवार को लाहौर में चयनकताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। बांग्लादेश

ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में पाकिस्तान को 2-1 से शिकस्द दी। साथ ही पाकिस्तान के खिलाफ 11 साल बाद द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीती। चयन प्रक्रिया पर उठे सवाल पाकिस्तान के सीनियर चयनकर्ता आकिब जावेद ने साफ कहा कि टीम चयन की मौजूदा व्यवस्था पर फिर से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'जब टीम बांग्लादेश दौरे से वापस आएगी, तब हम कोच और कप्तान के साथ बैठकर राष्ट्रीय टीम के लिए एक बेहतर चयन प्रणाली पर चर्चा करेंगे।' आकिब जावेद ने यह भी बताया कि पहले चयनकर्ता टीम चयन में ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाते थे। पहले चयनकर्ता तय करते थे प्लेइंग इलेवन आकिब जावेद ने बताया कि पहले चयनकर्ता न सिर्फ टीम चुनते थे बल्कि प्लेइंग इलेवन के फैसले में भी शामिल होते थे। उन्होंने कहा, 'जब तक माइक हेसन ने पद नहीं संभाला था, तब तक चयनकर्ता घरेलू और विदेशी सीरीज में प्लेइंग इलेवन तय करने की प्रक्रिया का भी हिस्सा होते थे।' हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हाल के समय में इस व्यवस्था में बदलाव किया गया है। 21 खिलाड़ियों की सूची देते हैं चयनकर्ता टीम चयन को लेकर उठे सवालों पर आकिब जावेद ने स्पष्ट किया कि चयनकर्ता अपनी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, 'चयनकर्ता 21 खिलाड़ियों की सूची देते हैं। इसके बाद कोच और कप्तान मिलकर उसमें से 15 खिलाड़ियों को चुनते हैं और हर मैच के लिए प्लेइंग इलेवन तय करते हैं।' इस बयान से साफ संकेत मिलता है कि अंतिम निर्णय कोच और कप्तान के हाथ में होता है। लगातार बदलाव भी बना बड़ी समस्या आकिब जावेद ने पाकिस्तान क्रिकेट की मौजूदा स्थिति के लिए लगातार होने वाले बदलावों को भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, 'जैसे ही हम कोई मैच या सीरीज हारते हैं या किसी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं करते, हर तरफ से आलोचना शुरू हो जाती है और बदलाव की मांग उठने लगती है। आलोचकों में धैर्य और सहनशीलता की कमी है और इससे पाकिस्तान क्रिकेट को फायदा नहीं हुआ है।' टीम में बढ़ता तनाव मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद से ही चयनकताओं और कोच के बीच तनाव की खबरें सामने आ रही थीं। इसी दौरान सीनियर चयनकर्ता अलीम डार ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि उन्होंने सार्वजनिक तौर पर कोई बयान नहीं दिया, लेकिन रिपोर्ट्स में कहा गया कि चयन में कोच को मिली अत्यधिक शक्ति से वह खुश नहीं थे। आगे क्या होगा? अब सभी की नजर इस बात पर है कि पाकिस्तान टीम के बांग्लादेश दौरे से लौटने के बाद चयन प्रणाली में क्या बदलाव किए जाते हैं। फिलहाल इतना साफ है कि टीम के खराब प्रदर्शन के बीच पाकिस्तान क्रिकेट में अंदरूनी मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं।

आईपीएल के आगामी सीजन के लिए तैयार पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 सीजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। टीम के कई खिलाड़ी इस दौरान मौजूद रहे, जबकि रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और कप्तान हार्दिक पांड्या फिलहाल टीम से नहीं जुड़े हैं। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने सोमवार को 28 मार्च से शुरू हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए अभ्यास

शुरू कर दिया। अभ्यास के लिए पहुंचने वाले पहले समूह में शार्दुल ठाकुर, मयंक मार्कंडेय, अल्लाह गजांफर, नमन धीर, राजा अंगद बावा, रॉबिन मिंज, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मालेवार, मोहम्मद इजहार और अश्वनी कुमार शामिल थे। जल्द टीम से जुड़ेंगे रोहित-बुमराह और हार्दिक रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और कप्तान हार्दिक पांड्या आने वाले दिनों में शिविर में जुड़ेंगे। मुंबई को पहला मैच 29 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना है। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा, सत्र के पूर्व शिविर में पहला दिन हमेशा खास होता है। खिलाड़ी आते हैं, ऊर्जा का संचार होता है और अच्छे प्रदर्शन पर जोर रहता है। हमारे पास मुंबई इंडियंस के साथ काफी समय से जुड़े खिलाड़ी और कुछ नए चेहरे भी हैं।

कांग्रेसियों ने नाले में पाइप लगाकर सिलेंडर से जोड़ा, चाय बनाई

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में कांग्रेसियों ने नाले में पाइप लगाकर सिलेंडर से जोड़ा। फिर इससे चाय बनाकर पी। बताया कि पीएम मोदी के फॉमूर्ले पर ऐसा किया। यह फॉमूर्ला फेल रहा। पूरा नाला सूख गया लेकिन गैस एक सिलेंडर भी नहीं भर पाई। यह प्रदर्शन कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के सदस्यों ने कांग्रेस मुख्यालय पर किया। मुख्यालय के बाहर चाय की दुकान लगाई। दावा किया कि यह चाय एलपीजी की कमी के चलते नाले के गैस से बनाई गई है। एनएसयूआई के सदस्य अखिलेश यादव ने कहा मौजूदा समय में देशभर में गैस की भारी किल्लत है। इस समस्या को लेकर हम बेहद चिंतित थे। हम लोग इस गैस के संकट को खत्म करना चाहते थे, तभी हमने कभी साइंटिस्ट रहे अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक भाषण सुना। वह बता रहे थे कि लोग किस प्रकार नाले से गैस बना सकते हैं। पीएम ने जो फामूर्ला दिया था नाले से गैस बनाने का उसी को हमने अप्लाई करके नाले की गैस पर चाय बनाने की कोशिश की। हम जिस जगह खड़े हैं, यह नाला पूरा भरा हुआ था। इससे एक ही सिलेंडर गैस बन पाई। इससे बहुत कम चाय बनी और यह गैस भी टिकाऊ नहीं है। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री का गैस वाला फामूर्ला फेल हो गया।

बाल-बाल बचे निक-प्रियंका, ऑस्कर में पहुंचने से पहले हो सकता था हादसा

मिस्ट्री मैन संग की रिश्ते की पुष्टि

निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा के साथ ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान हादसा हो सकता था। हालांकि, यह टल गया पर इस दौरान का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल है। ग्लोबल पॉवर कपल निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा रेड कार्पेट पर साथ पोज कर फिर से फैंस की धड़कनें बढ़ा दीं। मगर इस आइकॉनिक मूमेंट के पहले दोनो के साथ एक हादसा होते होते रह गया। जिससे इनकी यादों में ऑस्कर का एक खास किस्सा भी जुड़ गया। निक-प्रियंका का वीडियो वायरल 15 मार्च को हुए 98वें ऑस्कर अवॉर्ड में प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस हिस्सा लेने पहुंचे थे। रेड कार्पेट पर जाने के लिए कपल काफी लेट हो रहा था। जिससे लिए वो गोल्फ कार्ट उन्हें ले जा रही थी। टीएमजेड के साझा किए वीडियो में काफी कुछ नजर आ रहा है। कपल गोल्फ कार्ट पर बैठा मगर लेट होने की वजह से ड्राइवर ने उसकी स्पीड तेज कर दी। जिसके बाद एक मोड़ आता है जिसमें कार्ट का बैलेंस बिगड़ गया और उसका एक पहिया जमीन से उठ गया। जिसके बाद जोड़े ने कार्ट को पकड़ लिया। ड्राइवर ने कुछ ही सेकेंड में उसपर काबू पा लिया। पर्सनल गाड़ी को इजाजत नहीं 98वें ऑस्कर अवॉर्ड समारोह का आयोजन अमेरिका के हॉलीवुड स्थित डॉल्बी थिएटर में हुआ। इस दौरान थिएटर के सुरक्षा घेरे के अंदर किसी भी निजी वाहन को आने की अनुमति नहीं थी। समारोह में दुनिया भर से सेलिब्रिटीज के आने से वाहनों के मेनेज करना मुश्किल होता है। जिसके बाद आयोजकों ने उन्हें ले जाने के लिए गोल्फ कार्ट की इंतजाम करा था।

सलमान खान की बैटल ऑफ गलवान को मिला नया नाम

जानें क्या है नया टाइटल

सलमान खान फिल्म्स ने अपनी सबसे चर्चित फिल्म बैटल ऑफ गलवान का नया नाम आधिकारिक तौर पर घोषित कर दिया है, जो अब मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस होगा। मेकर्स ने एक बहुत ही दमदार नया पोस्टर जारी

किया है, जो न सिर्फ फिल्म के नाम में बदलाव को दिखाता है, बल्कि एक ऐसा संदेश भी देता है जो आज की दुनिया के लिए बहुत जरूरी है। इस नए टाइटल की सबसे खास बात इसकी टैगलाइन है माय वॉर रेस्ट इन पीस (युद्ध को शांति मिले)। इस सोच के साथ, सलमान खान ने एक बहुत बड़ी और गहरी बात कही है, जो सिर्फ लड़ाई-झगड़े की बात न करके, पूरी दुनिया में शांति की उम्मीद को जगाती है। जहाँ यह फिल्म गलवान घाटी की ऐतिहासिक घटना से प्रेरित है, वहीं इसके नाम के पीछे छिपा संदेश रणभूमि की सीमाओं से कहीं आगे जाता है। मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस के जरिए सलमान खान एक ऐसी सोच सामने लाए हैं, जो दर्शकों के दिलों को गहराई से छू रही है। सोशल मीडिया पर इस एलान ने अभी से चर्चा छेड़ दी है और लोग फिल्म के नाम के पीछे की ताकतवर भावना और इस साहसी कदम की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

ऑस्कर में धर्मेंद्र को नहीं मिली श्रद्धांजलि

'इन मेमोरियम' में हुआ इन सेलेब्स का जिक्र

ऑस्कर के 'इन मेमोरियम' सेगमेंट में अभिनेता धर्मेंद्र का नाम न होने से बॉलीबुड के फैंस को बड़ा झटका लगा। जबकि पहले कई बॉलीवुड आभिनेताओं को ऑस्कर के मंच से याद किया जा चुका है। इस साल के ऑस्कर 2026 में उन सभी दिग्गज दिवंगत अभिनेताओं को श्रद्धांजलि दी गई जो फिल्मी दुनिया के सितारे थे। मगर भारतीय सिनेमा के मशहूर अभिनेता धर्मेंद्र को ऑस्कर के मंच पर याद न किए जाने से फैंस काफी निराश हुए। हालांकि कई हॉलीवुड अभिनेताओं के नाम इस लिस्ट में शामिल थे। दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र का नाम नहीं था हर साल ऑस्कर के मंच से दुनियाभर के महान कलाकारों को मंच से याद किया जाता है। इसी क्रम में हॉलीवुड के साथ बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता धर्मेंद्र को भी श्रद्धांजलि मिलने की फैंस इंतजार कर रहे थे। मगर ऑस्कर में ऐसा कुछ नहीं हुआ। अपने 'इन मेमोरियम' सेगमेंट में ऑस्कर ने बॉलीवुड के किसी भी कलाकार को याद नहीं किया। हॉलीवुड के कई हस्तियों को याद किया 98वें ऑस्कर मंच से हॉलीवुड के कई मशहूर दिवंगत हस्तियों को श्रद्धांजलि दी। इसकी शुरूआत में बिली क्रिस्टल ने अपने दिवंगत मित्र रॉब रेनर याद किया। 'इन मेमोरियम' सेगमेंट में आगे 'दिस इज स्पाइनल टैप', 'ए फ्यू गुड मेन' और 'मिजरी' जैसी फिल्मों के कलाकारों को याद किया। दूसरे नंबर पर रेचल मैकएडम्स ने कैथरीन ओ'हारा को तूफान कह कर याद करते हुए सम्मानित किया। साथ ही डायने कीटन को भी उनकी अलग-अलग भूमिकओं के लिए याद किया गया। पहले दी थी बॉलीवुड स्टार्स को श्रद्धांजलि बीते कई साल से ऑस्कर बॉलीवुड के कलाकारों को मंच से याद करता आया है। इससे पहले नितिन चंद्रकांत देसाई, इरफान, भानु अथैया, श्रीदेवी और शशि कपूर जैसे अभिनेताओं को ऑस्कर ने अपने 'इन मेमोरियम' सेगमेंट में जगह दी थी। जिस वजह से धर्मेंद्र के फैंस को उनका नाम लिए जाने का इंतजार था। मगर उन्हें सम्मान न मिलने से फैंस के काफी निराशा हुई।

आलिया भट्ट ने अपने बर्थडे पर शुरू की नई पहल, बच्चों के लिए लॉन्च किया नया सेगमेंट

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने हाल ही में अपना 33वां बर्थडे मनाया। इस खास मौके पर उन्होंने अपने फैंस और खासकर बच्चों के लिए एक नई पहल की घोषणा कर सबको सरप्राइज दे दिया। आमतौर पर जन्मदिन पर सितारों को तोहफे मिलते हैं, लेकिन आलिया ने इस बार अपने बर्थडे को खास बनाते हुए छोटे बच्चों के लिए एक नई पहल शुरू करने का फैसला किया है। आलिया भट्ट ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी के तहत बच्चों के लिए एक नया सेगमेंट लॉन्च किया, जिसका नाम एटम किडस रखा गया है। इस पहल के जरिए वह बच्चों के लिए मजेदार, भावनात्मक और कल्पनाशील कहानियों पर आधारित कंटेंट तैयार करेंगी। आलिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस नए सेगमेंट के तहत कई प्रोजेक्ट्स पर पहले से काम शुरू हो चुका है। उनके अनुसार, ह्यम्जमतदंस ज्ञपकेह्व बच्चों के लिए दिल को छू लेने वाली कहानियां और रोचक किरदार लेकर आएगा, जो उन्हें मनोरंजन के साथ-साथ प्रेरणा भी देगा। आलिया की इस पहल को फैंस और इंडस्ट्री के लोगों से काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। कई लोगों ने इसे बच्चों के लिए मनोरंजक और रचनात्मक कंटेंट बनाने की दिशा में एक अच्छी शुरूआत बताया है। काम की बात करें तो आलिया भट्ट और रणबीर कपूर इन दिनों निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ विक्की कौशल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

शादी के बाद पति संग हनीमून पर गई मोनालिसा, समंदर की लहरों के बीच यूं एंजॉय करता दिखा कपल

महाकुंभ मेले के दौरान माला बेचते हुए सोशल मीडिया पर अचानक चर्चा में आईं मोनालिसा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने मुस्लिम बॉयफ्रेंड फरमान खान के साथ शादी रचाई है, जिसके बाद से वह लगातार चर्चा में हैं। अब शादी के बाद मोनालिसा अपने पति संग हनीमून पर हैं, जहां से नवविवाहित जोड़े की तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई है। मोनालिसा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पति फरमान खान के साथ एक तस्वीर शेयर की। यह फोटो समुद्र

किनारे की है, जिसमें दोनों बेहद खुश नजर आ रहे हैं। तस्वीर के साथ मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा कि वे केरल में समय बिताते हुए छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। तस्वीर में मोनालिसा वेस्टर्न लुक में दिखाई दे रही हैं। उन्होंने ब्लैक और क्रीम कलर की शर्ट के साथ ग्रे पैंट पहनी है। उनके बाल भीगे हुए नजर आ रहे हैं और उन्होंने गले में माला तथा हाथ में ब्रेसलेट पहन रखा है। वहीं फरमान खान रिप्ड जींस और बनियान में दिखाई दे रहे हैं। दोनों एक साथ काफी एंजॉय करते और खुश दिखाई दे रहे हैं। कपल की यह तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और फैंस इस जोड़ी को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें, मोनालिसा ने यह शादी अपने परिवार की इच्छा के खिलाफ की है। उनके घरवाले इस रिश्ते के पक्ष में नहीं थे और वे मोनालिसा की शादी कहीं और करना चाहते थे, लेकिन मोना को ये रिश्ता मंजूर नहीं था और उन्होंने फरमान से मंदिर में शादी कर ली। दोनों की मुलाकात एक फिल्म सेट पर हुई थी। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई और लगभग छह महीने से अधिक समय तक रिश्ते में रहने के बाद उन्होंने शादी करने का फैसला किया। बता दें, मोनालिसा जल्द ही अपनी डेब्यू मूवी द डायरी ऑफ मणिपुर में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन सनोज मिश्रा कर रहे हैं। वहीं, वह शख्स हैं, जो महाकुंभ में माला बेचने वाली मोनालिसा को बॉलीवुड में लेकर आए।

इरफान खान से तुलना पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी बोले,उनकी जगह कोई नहीं ले सकता

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने दिवंगत अभिनेता इरफान खान से होने वाली लगातार तुलना और कुछ प्रशंसकों के इस विश्वास पर प्रतिक्रिया दी है कि वह भारतीय सिनेमा में उनके जाने से बनी कमी को पूरा कर सकते हैं। अपने साफ-साफ और आत्ममंथन भरे जवाबों के लिए जाने जाने वाले नवाजुद्दीन ने स्पष्ट किया कि सिनेमा में उनकी यात्रा बहुत व्यक्तिगत है और किसी की जगह लेने के बारे में नहीं है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान अभिनेता ने इस सुझाव पर प्रतिक्रिया दी कि वह इरफान खान की कमी को भर सकते हैं। नवाजुद्दीन ने विनम्रता के साथ इस विचार को खारिज करते हुए कहा कि उनका ध्यान हमेशा एक अभिनेता के रूप में खुद को विकसित करने पर रहा है, न

कि किसी और की जगह लेने पर। मैं खुद को भरने आया हूँ। मैं किसी भी अभिनेता की कमी को भरना नहीं चाहता, उन्होंने कहा। मुझमें बहुत सी कमजोरियाँ हैं। मैं अपने भीतर की उस कमी को भरना चाहता हूँ। यह मेरी निजी यात्रा है। मैं यहाँ किसी के लिए नहीं आया हूँ। मैं वही करना चाहता हूँ जो मैं करना चाहता हूँ। अभिनेता ने यह भी जोर देकर कहा कि किरदारों के माध्यम से आत्म-खोज और विकास ही उनकी असली प्रेरणा है। उनके अनुसार हर कलाकार को दूसरों से अपनी तुलना करने के बजाय अपने भीतर झांकना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, मुझे पता है कि मुझमें कई कमजोरियाँ हैं और मैं उन्हें किरदारों के जरिये समझना और दूर करना चाहता हूं। यही मेरा ध्यान है। भगवान ने आपको इतना कुछ दिया है कृ आपको उसी पर ध्यान देना चाहिए। आपको दूसरे अभिनेताओं की ओर देखने की जरूरत नहीं है। आपके भीतर बहुत कुछ है, आपको बस उसे खोजने की जरूरत है। नवाजुद्दीन का यह बयान उस सोच को दशार्ता है जिसने उनके करियर को परिभाषित किया है। वर्षों में उन्होंने भारतीय सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान बनाई है और गैंग्स ऑफ वासेपुर, द लंचबॉक्स और बदलापुर जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय के जरिये यह साबित किया है कि परंपरागत ढाँचे से अलग अभिनेता भी आलोचकों की सराहना और दर्शकों का प्यार दोनों हासिल कर सकते हैं। काम के मोर्चे पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के पास कई दिलचस्प परियोजनाएँ आने वाली हैं। इनमें अदालत आधारित नाटक सेक्शन 108, अंतरराष्ट्रीय चोरी-रोमांच कथा द ग्रेट एस्केप फरार और बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी तुम्बाड़ 2 शामिल हैं, जिसे लेकर प्रशंसकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह देखा जा रहा है।

रक्षामंत्री से मिला राज्य कर्मचारियों का शिष्टमंडल

लखनऊ (संवाददाता)। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश बीएनएस के शिष्टमंडल ने अध्यक्ष आरके वर्मा एवं महामंत्री आरके निगम के नेतृत्व में देश के रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात कर प्रदेश के कर्मचारियों शिक्षकों की मांगों व समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा। रक्षा मंत्री से मुख्य रूप से शिक्षकों की टीईटी के बारे में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से उत्पन्न समस्या, मृतक आश्रित नियमावली-1774 में किये गये अनावश्यक संशोधन, उर्दू बीटीसी 2004-05 बैच सहित अन्य शिक्षकों व मृतक आश्रित शिक्षकों शिक्षणेत्तर कर्मियों को जिनकी विज्ञप्ति-प्रशिक्षण-रिक्तियां नियुक्ति आदि अप्रैल 2005 के पहले हुई थी परंतु नियुक्ति अप्रैल 2005 के बाद हुई,को केंद्र सरकार की भांति ओपीएस का लाभ दिए जाने, संविदा मानदेय आदि के कर्मचारियों के समायोजन नियमितीकरण, ओपीएस एवं समाप्त किए गए भत्तों की बहाली, कोविड काल में रोके गए डीए एरियर के भुगतान, केंद्र सरकार की राजाज्ञा 4 जूलाई 2024 के अनुसार मकान किराया भत्ता दिये जाने पर चर्चा हुई। रक्षा मंत्री ने आश्वस्त किया कि वह मुख्यमंत्री से बातकर निराकरण करायेंगे। शिष्टमंडल ने शिक्षा मित्रों व अनुदेशकों के मानदेय वृद्धि मामले में उनके द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और स्मृति चिन्ह के रूप में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा भेंट की।

पश्चिम एशिया संघर्ष: तेल संकट के बीच बढ़ेगा वैश्विक टकराव, ट्रंप ने होर्मुज पर सात देशों से क्यों मांगी मदद?

वॉशिंगटन : पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच दुनिया की तेल सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ गई है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब सात देशों से अपील की है कि वे अपने युद्धपोत भेजकर होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने में मदद करें। हालांकि अब तक किसी भी देश ने स्पष्ट सहमति नहीं दी है। आइए जानते हैं कि आखिर ट्रंप ने ये मदद क्यों मांगी?

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने करीब सात देशों से युद्धपोत भेजकर होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने की मांग की है। हालांकि अब तक किसी भी देश ने इस पर स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं जताई है। ट्रंप ने एयरफोर्स वन विमान से वाशिंगटन लौटते समय पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह समुद्री मार्ग उन देशों के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है जो पश्चिम एशिया से तेल आयात करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं उन देशों से कह रहा हूंकि वे खुद अपने क्षेत्र की सुरक्षा करें, क्योंकि यह उनके लिए ज्यादा जरूरी है। बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। आमतौर पर दुनिया के कुल कारोबार वाले तेल का लगभग पांचवां हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। युद्ध के कारण इस रास्ते की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है और तेल की कीमतें भी तेजी से ऊपर जा रही हैं। अमेरिका को होर्मुज की उतनी जरूरत नहीं- ट्रंप ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को इस रास्ते की उतनी जरूरत नहीं है क्योंकि उसके पास खुद के तेल के स्रोत हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि चीन को लगभग 90% तेल इसी मार्ग से मिलता है, जबकि अमेरिका को बहुत कम तेल यहां से आता है। बता दें कि ट्रंप पहले ही कई देशों से इस मिशन में शामिल होने की अपील कर चुके हैं। इनमें चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन है। हालांकि इस मामले में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने ट्रंप से बातचीत में कहा कि वैश्विक शिपिंग को सुरक्षित बनाने के लिए इस समुद्री मार्ग को फिर से सामान्य करना जरूरी है, लेकिन अभी तक ब्रिटेन ने अपने युद्धपोत भेजने का फैसला नहीं किया है। अब समझिए ईरान का स्टैंड हालांकि इन सभी दावों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि कई देशों ने अपने जहाजों को सुरक्षित गुजरने देने के लिए तेहरान से संपर्क किया है। उन्होंने बताया कि कुछ देशों के जहाजों को गुजरने की अनुमति भी दी गई है, हालांकि उन्होंने इन देशों के नाम नहीं बताए। ईरान का कहना है कि यह समुद्री मार्ग सभी देशों के लिए खुला है, लेकिन अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए नहीं। कई देश अभी भी सतर्क, क्या है इसके मायने? उधर, अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि वह कई देशों के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं और उम्मीद है कि चीन भी इस रास्ते को सुरक्षित बनाने में सहयोग करेगा। हालांकि कई देशों ने फिलहाल कोई ठोस वादा नहीं किया है। दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह स्थिति पर नजर रख रहा है और अमेरिका के साथ समन्वय बनाए रखेगा। वहीं जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने साफ कहा कि जर्मनी इस युद्ध का सक्रिय हिस्सा बनने की योजना नहीं बना रहा। तेल की कीमतें नियंत्रित करने की कोशिश गौरतलब है कि वैश्विक तेल बाजार को स्थिर करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने आपातकालीन तेल भंडार जारी करने का फैसला किया है। एजेंसी के अनुसार लगभग 41.2 करोड़ बैरल तेल बाजार में छोड़ा जाएगा ताकि बढ़ती कीमतों को कम किया जा सके। एशियाई देशों के भंडार तुरंत जारी होंगे, जबकि यूरोप और अमेरिका के भंडार मार्च के अंत से बाजार में आएंगे। इस युद्ध का असर पूरे क्षेत्र में दिख रहा है। रेड क्रॉस के अनुसार ईरान में अब तक 1300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। वहीं इस्राइली में ईरानी मिसाइल हमलों में 12 लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा लेबनान में भी संघर्ष तेज हो गया है, जहां सैकड़ों लोग मारे गए और लाखों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। कुल मिलाकर पश्चिम एशिया में हालात लगातार गंभीर होते जा रहे हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा ऊर्जा आपूर्ति पर इसका बड़ा असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

होर्मुज संकट से नाटो में दरार? मदद नहीं मिलने पर ट्रंप ने सहयोगी देशों को दे डाली चेतावनी

वॉशिंगटन: अमेरिकी राष्ट्रपति पश्चिम एशिया संकट में नाटो देशों का साथ नहीं मिलने से नाराज हैं। अब उन्होंने नाटो देशों को चुनौती देते हुए कहा है कि नाटो का भविष्य बहुत अच्छा नहीं है। जानिए ट्रंप ने अपने बयान में और क्या क्या कहा... पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मज जलडमरूमध्य के बाधित होने से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर चौतरफा दबाव पड़ रहा है। एक तरफ पश्चिम एशिया में अमेरिका और इस्राइल के ठिकानों पर ईरानी हमले जारी हैं। वहीं दूसरी तरफ ट्रंप घरेलू मोर्चे पर भी घिरते जा रहे हैं। अमेरिका का एक बड़ा तबका इस संघर्ष के खिलाफ है। हैरानी की बात ये है कि इस मुश्किल समय में भी ट्रंप को अपने सहयोगी नाटो देशों की मदद नहीं मिल पा रही है। यही वजह है कि ट्रंप ने सहयोगी देशों को चेतावनी दी है कि नाटो समूह का भविष्य अच्छा नहीं है। ट्रंप की नाटो देशों को चेतावनी एक इंटरव्यू के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने नाटो के सहयोगी देशों को साफ संदेश दिया। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से फायदा लेने वाले देशों को इसकी सुरक्षा की भी जिम्मेदारी उठानी चाहिए। ट्रंप ने कहा, 'यह बिल्कुल ठीक है कि होर्मुज से फायदा लेने वाले देश ये सुनिश्चित करें कि वहां कुछ भी गलत न हो।' ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा, 'अगर कोई कुछ नहीं करता या मदद नहीं करता तो मुझे लगता है कि यह नाटो के भविष्य के लिए बहुत बुरा होगा।' ट्रंप ने कहा, 'हमें यूक्रेन के मामले में उनकी मदद की जरूरत नहीं पड़ी। अब देखते हैं कि वे हमारी मदद करते हैं या नहीं, क्योंकि मैं लंबे समय से कहता आ रहा हूं कि हम उनके साथ खड़े रहेंगे, लेकिन वे हमारे साथ नहीं खड़े रहेंगे।' पश्चिम एशिया में बुरे फंसे ट्रंप गौरतलब है कि ट्रंप होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में बारूदी सुरंगों को साफ करने के लिए युद्धपोतों की तैनाती की मांग कर रहे हैं। हाल ही में भी मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा था 'हम नाटो के लिए हमेशा तत्पर हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन सा देश होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने में हमारी मदद करेगा।' पश्चिम एशिया संकट को लेकर अमेरिका फंसता नजर आ रहा है। सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई और कई अन्य शीर्ष नेताओं की मौत के बाद भी ईरान झुकने के लिए तैयार नहीं है और लगातार पश्चिम एशिया में अमरिकी ठिकानों और इस्राइल पर हमले कर रहा है। अमेरिका और इस्राइल की ईरान में सत्ता परिवर्तन की कोशिश भी सफल होती नहीं दिख रही है। ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित करने के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति पर दबाव पड़ा है। अमेरिकी तेल कंपनियों ने भी इसे लेकर चिंता जताई है और ट्रंप से अपील की है कि अगर जल्द ही कोई रास्ता नहीं निकला तो हालात बदतर हो सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब सात देशों से होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने युद्धपोत तैनात करने की मांग की है। हालांकि, अमेरिका के करीबी सहयोगियों ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे देशों ने तो इससे इनकार कर दिया है।

क्या ईरान युद्ध में फंसकर घरेलू मोर्चे पर घिर गए हैं ट्रंप? कमजोर जनसमर्थन और बढ़ती महंगाई बनी बड़ी चुनौती

नई दिल्ली : ईरान युद्ध को लेकर डोनाल्ड ट्रंप घरेलू दबाव में हैं, क्योंकि इस सैन्य कार्रवाई को अमेरिकी जनता का मजबूत समर्थन नहीं मिला है। युद्ध के उद्देश्य, इजरायल से जुड़ी धारणा और तेल कीमतों में उथल-पुथल ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है, तो ट्रंप के लिए यह बड़ा राजनीतिक संकट बन सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर ऐसे समय में घिरे हुए नजर आ रहे हैं, जब इस सैन्य कार्रवाई को अमेरिकी जनता का व्यापक समर्थन नहीं मिला है। विश्लेषकों का मानना है कि हाल के इतिहास में शायद ही कोई अमेरिकी राष्ट्रपति इतने कम सार्वजनिक समर्थन के साथ किसी बड़े युद्ध में उतरा हो। उपलब्ध सर्वेक्षणों में कहीं भी ऐसा संकेत नहीं मिलता कि ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर अमेरिकी जनता का बहुमत ट्रंप के साथ खड़ा है। इसके उलट, कई जनमत सर्वेक्षणों में साफ तौर पर इस युद्ध के खिलाफ राय सामने आई है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि आम तौर पर युद्ध जैसे-जैसे लंबा खिंचता है, जनता का समर्थन और घटता जाता है, जिससे ट्रंप के सामने आगे और बड़ी राजनीतिक मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। ट्रंप ने जनता के सामने कोई स्पष्ट और ठोस मामला पेश नहीं किया रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने युद्ध शुरू होने से पहले अमेरिकी जनता के सामने कोई स्पष्ट और ठोस सार्वजनिक मामला पेश नहीं किया। उन्होंने फारस की खाड़ी में सैन्य जमावड़े को ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दबाव बनाने और बातचीत के लिए इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति के रूप में पेश किया था। लेकिन बहुत कम समय में यह कूटनीतिक दबाव सीधे सैन्य कार्रवाई में बदल गया। कहा जा रहा है कि ट्रंप तेज, चौंकाने वाले और नाटकीय अंदाज में सैन्य कार्रवाई को अंजाम देना चाहते थे, इसलिए उन्होंने युद्ध से पहले व्यापक जनसमर्थन जुटाने की कोशिश नहीं की। यह भी माना जा रहा है कि ट्रंप को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाने की अपनी रणनीतिक सफलता से भी हौसला मिला। हालांकि वह कदम भी अमेरिकी जनता के बीच बहुत लोकप्रिय नहीं था। इसके बावजूद ट्रंप प्रशासन ने ईरान के मामले में सार्वजनिक राय की अनदेखी की और अब उसी का राजनीतिक असर उन्हें झेलना पड़ रहा है। किसी युद्ध के समर्थन का सवाल किन बातों पर निर्भर करता है? विशेषज्ञों का कहना है कि किसी युद्ध के समर्थन का सवाल केवल इस पर निर्भर नहीं करता कि लड़ाई कैसे चल रही है, बल्कि इस पर भी निर्भर करता है कि जनता उस युद्ध का उद्देश्य क्या समझती है। राजनीतिक वैज्ञानिक ब्रूस जेंटलसन का तर्क है कि अमेरिकी जनता उन युद्धों का ज्यादा समर्थन करती है, जिनका उद्देश्य किसी आक्रामक शक्ति पर लगाम लगाना हो। इसके विपरीत, जब युद्ध का मकसद किसी दूसरे देश की राजनीतिक व्यवस्था बदलना या सत्ता परिवर्तन करना होता है, तो समर्थन काफी कमजोर पड़ जाता है। ईरान युद्ध को लेकर ट्रंप का उद्देश्य क्या नजर आ रहा? इसी संदर्भ में विश्लेषक ईरान युद्ध को भी देखते हैं। उनका कहना है कि इस युद्ध का वास्तविक उद्देश्य रेजीम चेंज यानी ईरान में सत्ता परिवर्तन ही नजर आता है। ट्रंप पिछले कई महीनों से इस बारे में लगातार बोलते रहे हैं और अब भी उनकी बयानबाजी इसी दिशा की ओर इशारा करती है। यही वजह है कि प्रशासन की ओर से युद्ध को आत्मरक्षा या तात्कालिक सुरक्षा के कदम के रूप में पेश करने की कोशिश अमेरिकी जनता को बहुत भरोसेमंद नहीं लगी। ट्रंप प्रशासन ने ईरान हमले को सही ठहराने के लिए क्या-क्या तर्क दिए? बमबारी शुरू होने के बाद ही ट्रंप और उनके सहयोगियों ने यह तर्क देना शुरू किया कि ईरान अमेरिका के लिए तत्काल खतरा था। लेकिन आलोचकों के मुताबिक यह दलील कई वजहों से कमजोर पड़ी। एक ओर ट्रंप हाल तक यह दावा करते रहे थे कि उन्होंने पहले ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह तबाह कर दिया है, वहीं दूसरी ओर युद्ध शुरू होने के बाद अचानक ईरान को गंभीर और तत्काल खतरे के रूप में पेश किया जाने लगा। हमलों के तुरंत बाद जारी एक वीडियो संदेश में ट्रंप ने 1979 के तेहरान बंधक संकट, 1983 में बेरूत में अमेरिकी मरीन पर हुए हमले और 2000 में यूएसएस कोल पर हुए बम हमले का जिक्र किया। उन्होंने यहां तक कहा कि यूएसएस कोल हमले में ईरान की शायद भूमिका थी। हालांकि आलोचकों का कहना है कि पुराने घटनाक्रमों को जोड़कर मौजूदा युद्ध के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश बहुत प्रभावी नहीं रही। ट्रंप प्रशासन की ओर से युद्ध को सही ठहराने की सबसे जटिल दलील विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पूर्व-खतरों के खिलाफ आत्मरक्षा के तहत कार्रवाई की, क्योंकि उसे पता था कि इस्राइल ईरान पर हमला करने वाला है और उसके जवाब में ईरान पश्चिम एशिया में अमेरिकी हितों और नागरिकों को निशाना बना सकता है। लेकिन यह तर्क भी अमेरिकी जनता के बीच बहुत असरदार नहीं रहा।

'न युद्धविराम की मांग न ही बातचीत की': ईरान ने खारिज किया अमेरिकी दावा, भड़के ट्रंप बोले- झूठी खबरें फैला रहा

तेहरान : पश्चिम एशिया में अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष 17वें दिन और उग्र हो गया है।मिसाइलों और ड्रोन हमलों के बीच क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिका के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि ईरान सीजफायर चाहता है। दूसरी ओर पलटवार करते हुए ट्रंप ने फिर ईरान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आइए जानते हैं किसने क्या कहा? पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 17वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने रविवार को अमेरिका के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि ईरान युद्धविराम चाहता है। उन्होंने साफ कहा कि ईरान ने न तो कभी सीजफायर मांगा है और न ही किसी तरह की बातचीत की मांग की है। अराघची ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि ईरान तब तक अपनी रक्षा करता रहेगा जब तक जरूरत होगी। अमेरिकी मीडिया संगठन सीबीएस न्यूज को दिए इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि ईरान अमेरिका के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा, जब तक कि अमेरिका इस युद्ध को गैरकानूनी मानकर अपना रुख नहीं बदलता। उन्होंने कहा फिर से इस बात को दोहराया कि हमने कभी सीजफायर नहीं मांगा और न ही बातचीत की मांग की है। हम जितने समय तक जरूरी होगा, अपनी रक्षा के लिए तैयार हैं। ईरान फैला रहा झूठी खबरें- ट्रंप इधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के विदेश मंत्री की तरफ से उनके बयान को खारिज किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने कहा कि ईरान जनता को सच्चाई नहीं बता रहा और गलत जानकारी फैला रहा है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सिर्फ सच्चाई सामने रखी है, जबकि ईरान झूठी खबरें फैला रहा है। उनके मुताबिक, ईरान ने यह दावा किया था कि उसने अमेरिकी युद्धपोत वरर अब्राहम लिंकन (CVN-72) पर हमला किया और उसे नुकसान पहुंचाया, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।

हमें नहीं, दूसरों को जरूरत', होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बोले डोनाल्ड ट्रंप; चीन का जिक्र कर कही ये बात

वॉशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का दावा करते हुए कहा है कि उनका देश ईरान की एयर डिफेंस और नेतृत्व को निशाना बना चुका है, साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा में अन्य देशों से सहयोग की बात कही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमता पर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया है कि अमेरिका ने ईरान को सैन्य रूप से हरा दिया है और उसकी वायु रक्षा प्रणाली को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान का मुकाबला करने के लिए वह अन्य देशों से बातचीत कर रहे हैं ताकि वे होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा में सहयोग करें। जलडमरूमध्य की सुरक्षा पर जोर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा रहम होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा के लिए अन्य देशों से बात कर रहे हैं, क्योंकि यह उनके लिए भी महत्वपूर्ण है। चीन, उदाहरण के तौर पर, अपनी 90% तेल आपूर्ति इसी जलडमरूमध्य से करता है। यह अच्छा होगा अगर अन्य देश भी हमारे साथ मिलकर इसकी सुरक्षा करें।ह उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका सैन्य सहायता भी प्रदान करेगा और उनके साथ मिलकर काम करेगा। ईरान की सैन्य क्षमता पर हमला ट्रंप के अनुसार, अमेरिका ने ईरान के हवाई अड्डों और वायु रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा, ईरान के पास अब कोई वायु रक्षा प्रणाली नहीं है। हमने उनके नेतृत्व को भी निशाना बनाया है। सैन्य दृष्टि से यह अद्भुत रहा है। हमने खर्ग द्वीप पर हमला किया है। बातचीत के लिए ईरान की तत्परता पर संदेह ईरान द्वारा बातचीत की पहल पर ट्रंप ने कहा वे बातचीत करना चाहते थे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे अभी तैयार हैं। मुझे लगता है कि वे कुछ समय बाद तैयार होंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की मिसाइलों और ड्रोन निर्माण क्षमता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा ईरान की मिसाइलें अब बहुत कम बची हैं। हम उनके ड्रोन बनाने की क्षमता को भी नष्ट कर रहे हैं। हम उन जगहों को निशाना बना रहे हैं जहां वे ड्रोन बनाते हैं। वैश्विक सहयोग की आवश्यकता ट्रंप ने नाटो (ठअळड) और यूक्रेन का भी जिक्र किया और कहा कि अमेरिका हमेशा अपने सहयोगियों के साथ खड़ा है। उन्होंने जोर दिया कि जलडमरूमध्य को खुला रखना एक छोटा सा प्रयास है जिसके लिए अन्य देशों का सहयोग आवश्यक है।

ट्रंप के दावों के बीच मोजतबा खामेनेई ने दिखाई आंख, बोले- मुआवजा दो या अंजाम भुगतो

तेहरान: ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका और इजरायल को चेतावनी देते हुए कहा है कि युद्ध में हुए नुकसान का मुआवजा देना होगा, वरना अंजाम भुगतना पड़ेगा। वहीं विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने साफ किया कि ईरान ने कभी युद्धविराम की मांग नहीं की और जरूरत पड़ने तक अपनी रक्षा जारी रखेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार दावा कर रहे हैं कि ईरान के खिलाफ 28 फरवरी से शुरू हुई जंग अब आखिरी दौर में है। उनका कहना है कि ईरान के पास अब पलटवार करने की ताकत नहीं बची है। लेकिन ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई और विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के बयानों से ऐसा नहीं लगता। वे अमेरिका और इस्राइल के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं। क्या बोले मोजतबा खामेनेई? मोजतबा खामेनेई ने देश को हुए नुकसान के लिए दुश्मन देशों से मुआवजे की मांग की है। उन्होंने कहा कि हम दुश्मन से हर जानी लेकर रहेंगे। अगर उसने इनकार किया, तो हम उसकी उतनी संपत्ति जब्त कर लेंगे जितनी हम तय करेंगे। अगर यह भी मुमकिन नहीं हुआ, तो हम उसकी उतनी ही संपत्ति को तबाह कर देंगे। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने खामेनेई के टेलीग्राम पोस्ट के आधार पर यह जानकारी दी है। इससे पहले उन्होंने अपने संदेश में लगातार संघर्ष करने की बात कही थी। एक लिखित संदेश में मोजतबा खामेनेई ने जंग में मारे गए लोगों का बदला लेने की कसम खाई है। उन्होंने साफ किया कि तेहरान अपने शहीदों के खून का बदला जरूर लेगा। ईरानी सरकारी टीवी पर एक महिला एंकर ने उनका यह संदेश पढ़ा। संदेश के अनुसार, ईरान जरूरत पड़ने पर दूसरे मोर्चे भी खोल सकता है। ईरान अपने पड़ोसी देशों से अच्छे रिश्ते चाहता है। वह सिर्फ उन्हीं ठिकानों पर हमला करेगा जहां से उस पर हमले किए जाते हैं। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने क्या दावा दूसरी तरफ, अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई घायल हो गए हैं। अमेरिकी हमलों की वजह से उन्हें छिपने के लिए मजबूर होना पड़ा है। हेगसेथ के मुताबिक, लगातार सैन्य अभियानों से ईरान के नेतृत्व पर दबाव बढ़ रहा है। कैसे शुरू हुआ विवाद? बता दें कि 28 फरवरी को इस्राइल और अमेरिका ने तेहरान और अन्य शहरों पर हमले किए थे। इन हमलों में ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई, बड़े सैन्य कमांडर और आम नागरिक मारे गए थे। इसके जवाब में ईरान ने इस्राइल और अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया था। क्या बोले ईरानी के विदेश मंत्री ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान अमेरिका के साथ युद्धविराम या वार्ता की मांग नहीं कर रहा है। उन्होंने सीबीएस न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान ने कभी जंग रोकने की कोशिश नहीं की। हम तब तक अपनी रक्षा करेंगे जब तक जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि ईरान का सैन्य अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक ट्रंप को यह समझ नहीं आता कि यह एक अवैध युद्ध है। होर्मुज जलडमरूमध्य क्या बोले ईरानी के विदेश मंत्री अराघची ने कहा कि अमेरिका से बात करने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि जब उन्होंने हमला किया, तब बातचीत चल रही थी।

ट्रंप का बड़ा दावा- बातचीत जारी पर समझौते के लिए तैयार नहीं तेहरान; नाटो से मांगी मदद

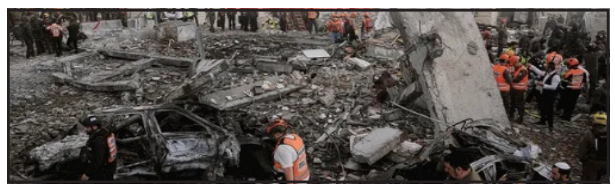

पश्चिम एशिया। पश्चिम एशिया में संघर्ष दिन-ब-दिन और भी खतरनाक होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के लगातार हमलों के बीच ईरान भी जोश में है और जोरदार जवाब दे रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गूंज के बीच यह युद्ध अब 17वें दिन में प्रवेश कर चुका है। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमले जारी हैं। ईरान में इंटरनेट ब्लैकआउट का 17वां दिन, वीपीएन भी हो रहे बंद ईरान में इंटरनेट ब्लैकआउट का सिलसिला 17वें दिन भी जारी है। इंटरनेट निगरानी संस्था नेटब्लॉक्स ने बताया है कि पिछले एक दिन में दूरसंचार नेटवर्क के बुनियादी ढांचे में और गिरावट दर्ज की गई है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।